राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 20 मई 2023 वर्ष–6,अंक–115 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सावरकर के जन्मदिन पर देश को मिलेगा नया संसद भवन, 28 मई को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

लोकसभा और राज्यसभा ने पांच अगस्त, 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का शिलान्यास किया गया।

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगे। नए संसद भवन में ही मानसून सत्र होने की संभावना है। भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को मोदी से भेंट कर उनसे इसका उद्घाटन करने का आग्रह किया था। नया संसद भवन ढाई साल से भी कम समय में तैयार हुआ है। आपको बता दें कि इसी दिन स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जयंती भी है। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, पीएम मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगे। संसद का नवनिर्मित भवन जहां एक ओर भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं एवं संवैधानिक मूल्यों को और अधिक समृद्ध करने का कार्य करेगा। वहीं, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन में सदस्यों को अपने कार्यों को

और बेहतर तरीके से निष्पादित करने में सहायता मिलेगी। लोकसभा और राज्यसभा ने पांच अगस्त, 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का शिलान्यास किया गया। संसद के नवनिर्मित भवन को गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। नए संसद भवन के अंतर्गत लोकसभा में 888 सदस्यों और राज्यसभा में 384 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था की गई है। संसद के वर्तमान भवन में लोकसभा में 550, जबकि राज्यसभा में 250 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था है।

**दो साल पहले शुरू हुआ था निर्माण**

संसद की नई इमारत का निर्माण दो साल पहले शुरू हुआ था। नई इमारत राष्ट्र के शक्ति केंद्र सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास का हिस्सा है। राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक तीन किलोमीटर की सड़क का नवीनीकरण, एक सामान्य केंद्रीय सचिवालय का निर्माण, प्रधानमंत्री का एक नया कार्यालय व आवास और एक नया उपराष्ट्रपति एन्क्लेव भी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा पूरी की जा रही इस परियोजना का हिस्सा हैं। संसद की नई इमारत का निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इस इमारत में भारत की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान कक्ष, संसद सदस्यों के लिए एक लाउंज, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान होगा।

**सावरकर का है जन्मदिन**

यह संयोग ही है कि 28 मई को स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर का जन्मदिन भी है। गौरतलब है कि बीते दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि वह गांधी हैं, सावरकर नहीं, जिसकी भाजपा ने कड़ी आलोचना की थी। सावरकर को लेकर भाजपा व कांग्रेस में तीखा टकराव रहा है।

## जी 7 देशों के साथ वैश्विक चुनौतियों पर बातचीत के लिए उत्सुक-मोदी

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान, पापुआ न्यू गिनी और आस्ट्रेलिया की यात्रा पर रवाना होने से पहले शुक्रवार को कहा कि वह जी7 देशों के साथ वैश्विक चुनौतियों के समाधान को लेकर विचार विमर्श के लिये उत्सुक हैं।

श्री मोदी ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में कहा, मैं जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर जापान की अध्यक्षता में हो रहे जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए हिरोशिमा, जापान के लिए रवाना होऊंगा। उन्होंने कहा कि भारत-जापान शिखर सम्मेलन के लिए भारत की हाल की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री किशिदा से फिर से मिलना खुशी की बात होगी। इस जी7 शिखर सम्मेलन में मेरी उपस्थिति विशेष रूप से सार्थक है क्योंकि इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता भारत के पास है। उन्होंने कहा कि वह जी7 देशों और अन्य आमंत्रित भागीदारों के साथ दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों और उन्हें सामूहिक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं। इस के अलावा वह हिरोशिमा जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, ÷जापान से, मैं पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी पहुंचूंगा। यह मेरी पहली यात्रा होगी, साथ ही पापुआ न्यू गिनी की किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। मैं 22 मई को फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (फिपिक) के तीसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे के साथ संयुक्त रूप से करूंगा। मैं आभारी हूं कि सभी 14 प्रशांत द्वीप देशों ने इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में भाग लेने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा, फिपिक का गठन 2014 में मेरी फिजी यात्रा के दौरान किया गया था,

## सेवा सचिव बदलने की फाइल अबतक दिल्ली सरकार को एलजी ऑफिस से वापस नहीं मिली

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि सेवा सचिव बदले जाने से संबंधित फाइल उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना के ऑफिस से आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को अब तक वापस नहीं मिली है। साथ ही, उन्होंने सवाल किया कि क्या यह लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार के कामकाज में रोड़ा अटकाने का एक और प्रयास है। उपराज्यपाल कार्यालय से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। दिल्ली सरकार ने 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की ओर से उसे ट्रांसफर-पोस्टिंग पर नियंत्रण प्रदान करने के कुछ घंटों बाद ही सेवा विभाग के सचिव आशीष मोरे को पद से हटा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को फैसला सुनाते हुए कहा था कि लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि जैसे विषयों को छोड़कर अन्य सेवाओं के संबंध में दिल्ली सरकार के पास विधायी तथा शासकीय शक्तियां हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी ए के सिंह, मोरे का स्थान लेंगे। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मोरे को हटाने से संबंधित फाइल एलजी ऑफिस को भेजी थी। भारद्वाज ने गुरुवार को ट्वीट किया, सेवा सचिव को बदलने के लिए सरकार ने कल शाम माननीय उपराज्यपाल को फाइल भेजी थी। माननीय उपराज्यपाल सरकार की सहायता और सलाह मानने को बाध्य हैं। हालांकि, हमें अभी तक फाइल वापस नहीं मिली है। हमने पत्र लिखा था कि यह बहुत जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि हमें आज यह मिल जाएगा। इससे पहले, दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के तबादले और पदस्थापना का फैसला उपराज्यपाल लेते थे। मंत्री ने सवाल किया, क्या यह उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार के कामकाज में बाधा डालने का एक और प्रयास है? उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार संशोधन अधिनियम कहता है कि सभी फाइल को उपराज्यपाल को भेजने की जरूरत है। इस कानून को भी खत्म करने की जरूरत है। अन्यथा उपराज्यपाल इसी तरह फाइल को दबा कर सरकार के काम में देरी करते रहेंगे।

## तीन चीतों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, पूछा- चीतों को कूनो से शिफ्ट क्यों नहीं कर रहे

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में दो माह के अंदर 3 अफ्रीकी चीतों की मौतों पर चिंता जताई है। कोर्ट ने चीतों की सुरक्षा को देखते हुए केंद्र को राजनीति से ऊपर उठते हुए इन्हें राजस्थान शिफ्ट करने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने वन्यजीव विशेषज्ञ समिति को 15 दिन के अंदर चीता टास्क फोर्स को सुझाव देने के निर्देश भी दिए हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संजय करोल की पीठ ने कहा कि एक्सपर्ट रिपोर्ट से लगता है कि चीतों की बड़ी आबादी के लिए कूनो में पर्याप्त स्थान और संसाधन नहीं हैं, इसलिए केंद्र सरकार को दूसरे पार्क या सेंचुरी में चीतों की शिफ्टिंग पर विचार करना चाहिए।

कोर्ट ने पूछा- आप राजस्थान में जगह की तलाश क्यों नहीं करते? केवल इसलिए कि वहां विपक्षी पार्टी का शासन है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि चीता टास्क फोर्स मौत के कारणों और इन्हें दूसरी सेंचुरी में शिफ्ट करने के पहलुओं की जांच कर रही है।

इस पर कोर्ट ने कहा- हम सरकार की मंशा पर संदेह नहीं कर रहे, लेकिन अखबारों में

चीता विशेषज्ञों की उन रिपोर्ट पर ध्यान न देने से चिंतित हैं, जिसमें वे केंद्र को चीतों के लिए एक से अधिक हैबिटेट बनाने के लिए चेता रहे हैं।

**चीतों के दूसरे घर के लिए तैयार करें गांधीसागर सेंचुरी-नौरादेही**

भोपाल में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने गुरुवार को चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने चीतों के लिए मंदसौर के गांधी सागर और सागर के नौरादेही को जल्दी तैयार करने के निर्देश दिए। वन अफसरों ने बताया कि गांधीसागर में चेनलिंक फेसिंग के लिए टेंडर जारी हो गए हैं। सीएस ने इसे 6 माह में पूरा करने को कहा। वन अफसरों ने बताया कि कूनो में 2 मादा चीता गर्भवती हैं। इनकी डिलीवरी जून में हो सकती है। इन्हें बच्चों समेत बड़े बाड़ों में रखना होगा। इसके लिए अतिरिक्त स्टाफ की जरूरत होगी।

**नामीबिया ने चीते भारत को तोहफे में दिए थे**

करीब 70 साल बाद विदेशी सरजमीं से 8 चीते भारत लाए गए थे। नामीबिया ने ये चीते भारत को तोहफे में दिए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को अपने बर्थडे पर इन्हें कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों की दूसरी खेप कूनो लाई गई थी।

## जी 20 शिखर सम्मेलन से पहले सीआरपीएफ कमांडो ने कसी कमर

### डल झील के बीच ले रहे स्पेशल ट्रेनिंग

**श्रीनगर।** जी20 शिखर सम्मेलन से पहले जम्मू-कश्मीर में बड़े स्तर पर सीआरपीएफ कमांडो को स्पेशल ट्रेनिंग दी जा रही है। सीआरपीएफ कमांडो ने जी20 शिखर सम्मेलन से पहले डल झील पर विशेष अभ्यास किया। वहीं धिकारियों ने कहा कि एलीट नेशनल सिक्योरिटी गार्ड कमांडो ने शुक्रवार को शहर के लाल चौक इलाके में अगले हफ्ते होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले इलाके में छानबीन और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभ्यास किया। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों के साथ एनएसजी के जवान भी थे। सुरक्षाकर्मियों ने लाल चौक पर होटलों की जांच की, उनके मालिकों से बात की और उनसे कुछ जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा कि इसी तरह का अभ्यास 22 से 24 मई तक

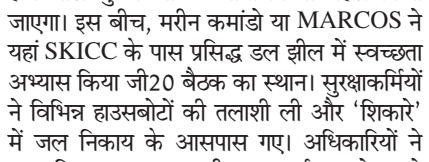

होने वाले मुख्य जी20 आयोजन से पहले किया जाएगा। इस बीच, मरीन कमांडो या MARCOS ने यहां SKICC के पास प्रसिद्ध डल झील में स्वच्छता अभ्यास किया जी20 बैठक का स्थान। सुरक्षाकर्मियों ने विभिन्न हाउसबोटों की तलाशी ली और 'शिकारे' में जल निकाय के आसपास गए। अधिकारियों ने कहा कि यह अभ्यास जी-20 कार्यक्रम से पहले सुरक्षा अभ्यास का हिस्सा था।

## बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को गुजरात में मिला डायमंड चैलेंज

**सूरत।** बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कभी अपने बयान को लेकर तो कभी उनकी सभा में जुटने वाली भीड़ की वजह से। बिहार के बाद अब वह गुजरात में दरबार लगाने वाले हैं। इस बीच सूरत के एक व्यापारी ने उन्हें डायमंड चैलेंज दिया है। उनका कहना है कि यदि धीरेंद्र शास्त्री ने चैलेंज को जीत लिया तो करोड़ों के हीरे उनके कदमों में समर्पित कर देंगे। अभी बागेश्वर धाम की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। सूरत के हीरा कारोबारी जनक बाबारिया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करते हुए धीरेंद्र शास्त्री को चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा कि 26-27 मई को सूरत में लगने जा रहे दरबार में वह

● बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कभी अपने बयान को लेकर तो कभी उनकी सभा में जुटने वाली भीड़ की वजह से। बिहार के बाद अब वह गुजरात में दरबार लगाने वाले हैं।

मंच पर चमत्कार दिखाने की चुनौती देंगे। उन्होंने कहा, मैं 500 से 700 कैरेट के पॉलिश्ड डायमंड एक पैकेट में बंद करके ले जाना चाहता हूं। यदि बाबा कह देंगे कि इसमें हीरों की संख्या कितनी है तो मैं उनके चमत्कारिक शक्ति को स्वीकार कर लूंगा और वह पैकेट बाबा के चरणों में समर्पित कर दूंगा। खुद को अंधविश्वास के खिलाफ काम करने वाला बताते हुए बाबरिया ने कहा कि वह दरबार में चमत्कार और अंधविश्वास जैसी चीजों का विरोध करेंगे। उन्होंने अपनी टीम के साथ दरबार में पहुंचने का ऐलान करते हुए कहा कि वह कलेक्टर को याचिका देकर अपील करेंगे कि कार्यक्रम को ना होने दिया जाए। इससे पहले एक बैंक के सीईओ और अहमदाबाद के एक डॉक्टर ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को चैलेंज दिया था। महाराष्ट्र में भी बागेश्वर धाम के प्रमुख को चुनौती दी गई थी।

## जंतर-मंतर पर रेसलर्स का धरना, खाप के अल्टीमेटम को बचे 2 दिन, गिरफ्तारी नहीं; बृजभूषण ने पहलवानों के मेडल को 15 रुपए का बताया

**नई दिल्ली।** भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर बैठे पहलवानों के धरने का आज 27वां दिन है। खापों द्वारा महापंचायत कर सरकार को दिए गए अल्टीमेटम के अब सिर्फ 2 ही दिन बचे हैं। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। ऐसे में 21 मई के बाद इस धरने व आंदोलन को बड़ा रूप दिया जा सकता है।

वहीं, एक यू-ट्यूबर को दिए इंटरव्यू में बृजभूषण ने खिलाड़ियों को लेकर कई तरह की बातें कही हैं। बृजभूषण ने खिलाड़ियों के मेडल लौटाए जाने की बात पर कड़ी टिप्पणी की ही है। उन्होंने कहा है कि मेडल की कीमत तो 15 रुपए हैं। अगर वापस करना ही है तो करोड़ों रुपए का नकद पुरस्कार करें।

उन्होंने कहा कि जो पैसा फेडरेशन, सरकार, जनता ने उन्हें दिया है। गांव-गांव में मान-सम्मान हुआ है। जिसकी कीमत कई करोड़ रुपए है। ये वापस करें, तब मेडल वापस माने जाएंगे। इस खेल के बदौलत नौकरी मिल गई है, मेडल लौटा भी देंगे तो क्या होगा। सारा पैसा ब्याज समेत वापस लौटाए।

**WFI को कोई भंग नहीं कर सकता:** बृजभूषण इसके साथ बृजभूषण ने कहा कि WFI को कोई भंग नहीं कर सकता है। यह गलत न्यूज चल रही है। IOA ने चुनाव करवाने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। जिसमें दो सदस्य IOA के हैं। एक जज का नाम आना है, जोकि अभी आया नहीं है।

**साक्षी ने दिया जवाब**

पहलवानों के मेडल को 15 रुपए का बताने पर इस पर साक्षी मलिक ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि गुड्डे-गुड़िया से खेलने की उम्र से अखाड़े की मिट्टी को दोस्त बनाया। जिस मेडल को 15 रुपए का बताया, उसके

लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। शर्म की बात है हमारे देश में चैम्पियंस का ये हाल हो रहा है। मैंने ये मेडल देश के लिए जीता है, कोई इसकी कीमत नहीं लगा सकता।

**बजरंग पूनिया ने ये दिया जवाब**

वहीं बजरंग पूनिया ने कहा कि ये मेडल सालों की मेहनत और करोड़ों देशवासियों की दुआओं की वजह से आया है। जब हम मैदान में उतरते हैं तो देशवासी काम छोड़कर हमारे लिए प्रार्थना करते हैं। हमारे गले में मेडल डलता है तो हर देशवासी का सीना चौड़ा होता है। ये मेरे भारत देश का मेडल है, इसकी कीमत कोई क्या लगाएगा भाई !

**बबीता फोगाट ने फिर छेड़ा ट्वीट वार**

उधर, भाजपा नेत्री एवं दंगल गर्ल बबीता फोगाट ने फिर से ट्वीट वार छेड़ दिया है। उन्होंने ट्विटर पर 3 ट्वीट किए हैं।

**पहला ट्वीट-** एक किसान पिता द्वारा सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद 6 बेटियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के अखाड़े तक पहुंचाने का सफर और संघर्ष कितना कठिन होता है इसका मुझे अच्छी तरह से ज्ञात है इसलिए मैं सभी महिला खिलाड़ियों के संघर्ष के साथ थी, हूं और रहूंगी

**दूसरा ट्वीट-** और भारतीय न्याय व्यवस्था में विश्वास होने के नाते न्यायिक तौर पर उनके लिए हमेशा लड़ती रहूंगी। जो मुझ पर राजनीतिक आरोप लगा रही है उन्हें बताना चाहूंगी की मुझे गर्व है की मैं एक राष्ट्रवादी विचारधारा BJP से जुड़ी हूं और जुड़ी रहूंगी।

**तीसरा ट्वीट-** परंतु मुझे लगता है कि आप जरूर जंतर-मंतर से अपनी राजनीति कैरियर की तलाश कर रही हैं। जहां पर आपने खिलाड़ियों के मंच को सभी विपक्षी राजनेताओं का मंच बना दिया है। प्रियंका गांधी का गले लगाना आपके भविष्य की राजनीतिक मनसा की कहानी कह रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

### कर्नाटक में सिद्धरमैया

कर्नाटक में कांग्रेस की एक बड़ी जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के दो प्रमुख दावेदारों सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच जारी रस्साकशी और उसे लेकर बाहर मीडिया में जैसी खबरें पिछले पांच दिनों तक प्रसारित होती रहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उनका इससे बेहतर उत्तर नहीं तलाश सकते थे। राज्य में पार्टी की जीत के दो सबसे आकर्षक चेहरों को उन्होंने सरकार के दो प्रमुख चेहरे के तौर पर चुना है। सिद्धरमैया मुख्यमंत्री होंगे और डीके शिवकुमार उप-मुख्यमंत्री के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी बने रहेंगे। यूं तो राजनीति में उतरने वाले हरेक व्यक्ति की यही मनोकामना होती है कि वह सत्ता के शिखर पद पर बैठे, मगर तमाम योग्य लोगों में खुशकिस्मत कोई एक ही होता है। इस फैसले में कांग्रेस आलाकमान की दूरदर्शिता और मजबूरी, दोनों पढ़ी जा सकती है। एक तरफ, उसने राज्य के सबसे लोकप्रिय व अनुभवी राजनेता सिद्धरमैया को सरकार के मुखिया के तौर पर चुना है। दूसरी तरफ, उसने डीके शिवकुमार की बेहतरीन सांगठनिक क्षमता का सम्मान करते हुए उन्हें प्रदेश की पार्टी इकाई का मुखिया बनाए रखा है। अब इस जोड़ी पर लोकसभा चुनाव में कर्नाटक से बेहतर परिणाम देने का दबाव होगा। गौरतलब है, पिछले आम चुनाव में कांग्रेस 28 में से सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। जहां तक मजबूरी की बात है, तो इस फैसले में उसे अपने सिद्धांत से एक बार फिर समझौता करना पड़ा है। पार्टी ने उदयपुर चिंतन शिविर में 'एक व्यक्ति एक पद' का संकल्प लिया था। मगर अब डीके शिवकुमार को सरकार व संगठन में दो अहम पद सौंपे जाने का उदाहरण भविष्य के महत्वाकांक्षी नेताओं को पार्टी में सौदेबाजी का आधार मुहैया करा सकता है। किसी भी लोकतांत्रिक पार्टी में आंतरिक प्रतिस्पर्द्धा स्वाभाविक बात है, बल्कि यह उसकी जीवंतता का अनिवार्य पहलू भी है, पर क्या अनुशासित हुए बिना कोई संगठन अपना लक्ष्य हासिल कर सकता है? खुद कर्नाटक ने इसका उदाहरण दिया है। कांग्रेस ने राज्य के मतदाताओं को यही संदेश दिया कि वह एकजुट है और निश्चित कार्यक्रमों के वादे के साथ जनादेश की मांग कर रही है। मगर परिणाम के बाद उसके सरकार गठन की कवायद को लेकर नकारात्मक बातें ही सुर्खियां बनीं। ऐसा नहीं है कि सत्ता की रस्साकशी सिर्फ कांग्रेस में होती है। उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के नेतृत्व को भी कई राज्यों में मुख्यमंत्री चुनने में वक्त लगा। मगर इन दोनों पार्टियों के नेताओं में फर्क यह है कि भाजपा अपने सांगठनिक अनुशासन के प्रति अधिक जागरूक है। पिछले वर्षों में हमने कई बार देखा कि जब पार्टी ने कोई फैसला कर लिया, तो फिर उसे सबने शिरोधार्य किया। सांविधानिक औचित्य की बहस को परे रखकर देखें, तो क्या आप आज की कांग्रेस में यह कल्पना कर सकते हैं कि विधानसभा में अपनी सीट गंवा चुके एक व्यक्ति को पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री या उप-मुख्यमंत्री बनाने का फैसला करे और सभी विधायक उसे खुशी-खुशी कुबूल कर लें? कांग्रेस को यह अनुशासन भाजपा से सीखने की जरूरत है। तब तो और, जब इस कमी के कारण उसने मध्य प्रदेश में सरकार गंवा दी और राजस्थान में गहलोत व पायलट की सियासी रार अब एक प्रहसन का रूप ले चुकी है। कर्नाटक के दोनों नेताओं को साबित करना होगा कि पार्टी के भीतर की होड़ राजस्थान जैसी शक्ल न ले। कांग्रेस ही नहीं, उनकी सरकार के इकबाल के लिए भी यही उचित होगा।

## आज का राशिफल

**मेष** व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

**कर्क** आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**कन्या** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

**वृश्चिक** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**मकर** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कुम्भ** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

# पाक की अस्थिरता में संभावना तलाशता चीन

**जी. पार्थसारथी**

वर्ष 1982 में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जब इमरान खान से खासतौर पर भारत के खिलाफ खतरनाक गेंदबाज़ी करने की वजह पूछी तो उस वक्त के कप्तान इमरान ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'जब भी मैं भारत के विरुद्ध खेलता हूं तो इसे जिहाद की तरह लेता हूं।' हालांकि उनकी कप्तानी के दिनों के बाद से क्रिकेट जगत में बहुत-सा बदलाव आ चुका है। वैसे इन दिनों इमरान की यह जिहादी प्रवृत्ति भारत की बजाय अब पाकिस्तानी सेना के खिलाफ ज्यादा हुई लगती है! जाहिर है इमरान खान का मौजूदा गुस्सा इसलिए है क्योंकि तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा के कुपित होने की वजह से संसद में उनका बहुमत जाता रहा। बाजवा के विरुद्ध दुराव रखने के पीछे इमरान के कारण सही हो सकते हैं। माना जाता है कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर, पर्दे के पीछे, भारतीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से चली गंभीर मंत्रणाओं के लिए जनरल बाजवा मुख्य सूत्रधार थे। यह ऐसा वक्त था जब सीमापारीय आतंकवाद की घटनाएं लगभग थम गई थीं। हालांकि वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आतंकवाद जारी है, जैसा कि हाल ही में राजौरी में हुआ है, अब यह स्पष्ट दिखने लगा कि अपने पुराने रंग-ढंग में पूरी तरह लौटने के लिए पाकिस्तान को कुछ वक्त लगा। क्योंकि कहावत है कि 'पुरानी आदतें मुश्किल से छूटती हैं।' इससे ज्यादा, भारत के पास भी विकल्प है कि पाकिस्तान की आतंकवाद को संरक्षण देने वाली करतूतों की प्रतिक्रिया ठीक उसी रूप में करे, तभी तो कहते है : 'जो खुद शीशे के घरों में रहते हैं, वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते।' बृहद आयाम में, पाकिस्तान में मौजूदा स्थिति का आलकन करते वक्त यह ज़हन में रखना होगा कि कैसे पाक ने खुद को आर्थिक दलदल में धकेला है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार इतना कम हो चुका है कि फिलहाल महीने भर की आवश्यक वस्तुएं आयात करने तक की मुद्रा नहीं है। मित्र देशों से सहायतार्थ विदेशी मुद्रा का प्रवाह भी निरंतर नहीं हो पा रहा, इसमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से क्लीन चिट न मिलने की वजह से अड़चनें बनी हुई हैं, महीनों से स्थिति यही है। अमेरिका का भी दबाव है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नियमों की पालना का सत्यापना पत्र पाने से पहले पाकिस्तान अपनी सभी प्रतिबद्धताएं पूरी कर दिखाए, तभी आगे सहायता राशि जारी हो पाएगी। जो भी है, लगता है कि अमेरिकियों के मन में आर्थिक नीतियों पर पाकिस्तानी वायदों पर भरोसा करने को लेकर शक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि अमेरिका को इमरान खान की नीतियों को लेकर गंभीर चिंता है, जबकि फिलहाल लग रहा है कि आगामी आम चुनाव में सत्ता की दौड़ में वे सबसे आगे हैं। वैसे इमरान खान लंबे समय से भारत के प्रति अमित्रतापूर्ण रवैया रखते आए हैं। पाकिस्तानियों को अब अपने राजनीतिक नेतृत्व और सैनिक तानाशाहों की अक्षमताओं की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, यह फील्ड मार्शल अयूब खान के वक्त से हो रहा है। हालांकि सेना के शासन में कुछ मौके ऐसे रहे जब सैन्य तानाशाह का हृदय परिवर्तन हुआ हो जैसा कि जनरल मुशर्रफ ने किया था। जब कारगिल में किए दुस्साहस की भूल से सही सबक लेते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर मुद्दे का उचित, परस्पर स्वीकार्य, वास्तविक एवं व्यावहारिक हल निकालना चाहा। अब बिलावल भुट्टो जैसे युवा किंतु अपरिपक्व और अति-उत्साही मंत्री हमें देखने को मिल रहे हैं, जिन्हें यह तक नहीं पता कि क्या बोलना चाहिए। काश! बिलावल भुट्टो सिर्फ यही याद कर लें कि उनकी माता बेनज़ीर भुट्टो और नाना जुल्फिकार अली भुट्टो ने भारत से संबंधों में कौन-सी लीक अपनाई थी। भारत के विरुद्ध पाकिस्तान को भड़काकर वैमनस्य बनाए रखने के पीछे मुख्य विदेशी ताकत चीन ही है। लंबे समय से चीन भारत के खिलाफ दुश्मनी रखने को पाकिस्तान को शह देता आया है। इसकी प्राप्ति के लिए उसने पाकिस्तान के रिवायती, परमाणु और मिसाइल क्षमता को मजबूत बनाया है। चीन की इस प्रवृत्ति के सुबूत भारत के आस-पास के क्षेत्र में मल्लका जलडमरू से लेकर होरमुज़ की खाड़ी तक स्पष्टत: दिखाई देते हैं। चीन अब इस बात पर दृढ़-संकल्प है कि उस पर रूस की निर्भरता उत्तरोत्तर बढ़ती जाए और वह भारत और पाकिस्तान को लेकर रूसी नीतियों को प्रभावित कर सके। यूक्रेन को हथियार पहुंचाने में- जाहिर है अमेरिका के कहने पर- पाकिस्तानी लिप्तता को लेकर रूस उससे खासा खफा था। पाकिस्तान की इस नीति के पीछे ज्यादातर प्रभाव अमेरिका-परस्त जनरल बाजवा का था। परंतु रूस पर चीन अब किस कदर हावी है, यह तब साफ हो गया जब रूस ने अचानक अपनी नीतियों में बदलाव करते हुए पाकिस्तान को तेल आपूर्ति का दरवाज़ा खोल दिया और दाम भी भारत से लिए भाव के बराबर। रूस में आया बदलाव रक्षा मंत्री सरगई शोइगू की गोवा में संपन्न हुई शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में दिए बयानों से भी झलकता है। शोइगू ने 'क्वाड' और 'ऑक्स' जैसे संगठनों की जमकर आलोचना की- जिनका सदस्य भारत भी है- और कहा कि इनकी स्थापना का मसकद चीन को सीमित करना है। साफ है रूस ने अब हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन की इलाकाई महत्वाकांक्षा को समर्थन देना चुन लिया है। शोइगू के इस बयान के साथ ही भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्टवादी शब्दों में सीमा संबंधी समझौतों की चीन द्वारा उल्लंघना पर ध्यान दिलाया। रूसी रक्षा मंत्री ने उस वक्त भी बयान दिया था जब सऊदी अरब में अमेरिका, भारतीय और यूएई के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के अलावा सऊदी अरब के युवराज ने बैठक में भाग लिया। इसमें क्रमश: जैक स्लिवन, अजीत डोभाल, शेख तहनून और युवराज मोहम्मद बिन सलमान के नाम हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार इस भेंटवार्ता का मकसद एक अधिक सुरक्षित एवं समृद्ध मध्य-पूरब क्षेत्र- जिसमें भारत की भूमिका हो- बनाने में आगे विचार-विमर्श करना था। एकदम स्पष्ट है कि इस बैठक से वाशिंगटन में प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बीच आगामी भेंटवार्ता के लिए माहौल तैयार हुआ है। सऊदी अरब पहुंचने से पहले अजीत डोभाल ईरान भी गए, जहां उनकी भेंट राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के अलावा ईरानी समकक्ष हुसैन अमीरअब्दुल्लियन से हुई। बेशक, ईरान पर लगे अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से भारत पिछले कुछ अर्से से कच्चा तेल नहीं खरीद पाया, तथापि, भारत के लिए ईरान के चाबहार बंदरगाह से होकर अफगानिस्तान तक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक सामग्री पहुंचाने की राह खुली रही। भारत दुनिया के चंद मुल्कों में एक है जिसने इस्राइल, सऊदी अरब और ईरान से रिश्तों में, सभी पक्षों से बराबर का संतुलन साध रखा है। सऊदी अरब और ईरान के बीच प्रतिद्वंद्विता और तनाव घटाने में चीन ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। यह ऐसा कार्य है जिससे फारस की खाड़ी के तेल संपन्न मुल्कों के बीच राजनयिक गतिविधियां चलाने और आर्थिक सहयोग बढ़ाना काफी आसान हो जाएगा। परंतु लगता है, चीन और रूस, भारत और उसके दक्षिण पूरबी पड़ोसी देशों से संबंधों के मामले पर विपरीत रुख रखे हुए हैं। चीन जानबूझकर एक तरफ पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग में विस्तार कर रहा है तो वहीं भारत द्वारा आसियान संगठन के अपने पड़ोसी सदस्यों के साथ सहयोग बढ़ाने के यत्नों को पलीता लगा रहा है। यह रुख भारत-आसियान मुल्कों के बीच हालिया नौसैन्य अभ्यास के दौरान साफ दिखाई दिया। इन परिस्थितियों में, चीन द्वारा भारत की 'कम लागत वाली घेराबंदी' करने वाली नीति में पाकिस्तान उसका मुख्य औजार है। अलबत्ता भारत ने अपने एकदम पड़ोसी मुल्कों में चीन को अपने सामरिक इरादों की सफलता के लिए जो जमीन चाहिए, उसको युक्तिपूर्वक सीमित कर रखा है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक है।

# किरण रिजिजू अपनी राजनीति का खुद शिकार तो नहीं?

**(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)**

क्या केन्द्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू को उनके बड़बोले पन के चलते हटाया गया? क्या किरण रिजिजू को रिटायर्ड जजों पर उस टिप्पणी के चलते हटाया गया जो एक निजी चैनल के कॉनक्लेव के दौरान कहे थे? क्या रिजिजू यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू को देश भर में लागू कराने में असफल रहे?क्या रिजिजू के बयानों से कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका के बीच नई जंग तो नहीं शुरू होने लगी?ये वो सवाल हैं जो देश के कानून मंत्री रहते हुए किरण रिजिजू को घेरते जा रहे थे। इसकी शुरुआत उस बयान से हुई जो उन्होंने एक निजी चैनल के कॉनक्लेव में कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर उठाते हुए कहा था कि रिटायर्ड जज और एक्टिविस्ट भारत विरोधी गिरोह का हिस्सा बनकर कोशिश कर रहे हैं कि भारतीय न्यायपालिका विपक्षकी भूमिका निभाए। इतना ही नहीं उन्होंने न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम प्रणाली की भी जमकर आलोचना की थी और कहा था कि यह कांग्रेस पार्टी के दुस्साहस का परिणाम है। जजों की नियुक्ति में इस प्रणाली को अपारदर्शी बताया तो कभी संविधान से अलग वो प्रणाली बताई जो दुनिया में अकेली है और जजों को अपने चहेतों को नियुक्त करने का मौका देती है।मामला उस समय और सुर्खियों में आ गया जब इसी कॉनक्लेव में भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कॉलेजियम प्रणाली का न केवल बचाव किया बल्कि यहां तक कह दिया कि हर प्रणाली दोष से मुक्त नहीं है। लेकिन कॉलेजियम सबसे अच्छी प्रणाली है जिसे हमने ही विकसित किया है। जिसका उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करना है जो एक बुनियादी मूल्य भी है। उनके बयानों को लेकर देश में काफी हो हल्ला मचा था। समर्थन और विरोध में खेमेबाजी भी हुई। कई वकीलों और संगठनों ने कहा कि एक मंत्री का ऐसे बयान देना जो कानून मंत्री भी होशोभा नहीं देता। एक ओर रिजिजू अपने समर्थन में किए गए ट्वीट को रिट्वीट करते रहे जबकि देश के 90 पूर्व नौकरशाहों ने खुली चिट्ठी लिखकर यह तर्क दिया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने खातिर कोई समझौता नहीं हो सकता। उनके बयानों को संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताकर काफी बहस भी हुई। कहा गया कि सरकार की आलोचना न तो राष्ट्र के खिलाफ है और न ही कोई देशद्रोही गतिविधि है। नाराज वकीलों ने सार्वजनिक रूप से अपनी टिप्पणी वापस लेने और आगे ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह भी दी। वहीं किरण रिजिजू ने यह भी कहा कि देश के बाहर और भीतर भारत विरोधी ताकतें एक ही भाषा का इस्तेमाल करती हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। भारत में मानव अधिकारों का अस्तित्व नहीं है। भारत विरोधी समूह जो कहता है वैसी ही भाषा विपक्षी भी बोलते हैं। ये भारत की अच्छी छवि का विरोध है। इसके बाद उन्हें वकीलों ने याद दिलाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा है कि सरकार से कठिन सवाल पूछे जाने चाहिए और आलोचनाएं भी होनी चाहिए जिससे सरकार सतर्क और उत्तरदायी बनी रहे। यकीनन कानून मंत्री कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक कड़ी होते हैं और उन्हें पद,प्रतिष्ठा का ध्यान रखऐ सी कोई भी सार्वजनिक बात नहीं कहनी चाहिए जिससे लोकतंत्र और सरकार पर उंगली उठे। हालांकि उन्होंने माना कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच कोई टकराव जैसी बात नहीं हैं। लेकिन वहीं न्यायाधीशों की न्यायिक आदेशों के जरिए नियुक्ति को भी गलत ठहराया। रिजिजू इस बात की वकालत करते रहे कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की जिम्मेदारी सरकार के पास होनी चाहिए। एक मौके पर यहां तक कह दिया था कि जब कोई जज बनता है तो उसे चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता है। जजों की कोई सार्वजनिक जांच भी नहीं होती। न्यायपालिका में आरक्षण का मुद्दा भी उठाया और सभी जजों और उसमें भी खासकर कॉलेजियम के सदस्यों को याद दिलाया कि पिछड़े समुदायों, महिलाओं और दूसरी श्रेणियों के सदस्यों को प्रतिनिधित्व देने के लिए नामों की सिफारिश करते समय इन्हें भी ध्यान में रखें क्योंकि न्यायपालिका में ऐसे तबके का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। ये सही है कि भारत में जब भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट की बातें होती है तो यह भरोसा रहता है कि अदालत जो कहती है सरकार सुनती ही है। लेकिन जब अदालतों पर ही पलटवार जैसी स्थिति बनेतो हैरानी होती है। रिजिजू की मुखरतासे तय माना जा रहा था कि सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो रहीं हैं। स्थिति उस समय थोड़ी और चर्चित तथा परेशानी वाली हो गई जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ की गई टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग की गई जिसमें उपराष्ट्रपति धनखड़ भी चर्चाओं मेंआए। बीतेसोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर एक याचिका यह कहते हुए खारिज कीकि उसके पास इससे निपटने के लिए व्यापक दृष्टिकोण है। किरण रिजिजू न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को अस्पष्ट और पारदर्शी बताते रहेजबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 1973 के केशवानंद भारती के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाए थे जिसने बुनियादी ढांचे का सिद्धांत दिया था। वह बुरी मिसाल कायम की जिससे यह कहना मुश्किल होगा कि हम एक लोकतांत्रिक देश हैं। उनका इशारा किसी प्राधिकरण द्वारा संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति पर सवाल उठाने को लेकर भी था। इसी पर सुप्रीम अदालत ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए न्यायपालिका और कॉलेजियम प्रणाली पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू की टिप्पणी पर राहत देते हुए दोनों के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने उच्चतम न्यायालय में बॉम्बे हाई कोर्ट के 9 फरवरी के उस आदेश को चुनौती खातिर एक याचिका दायर की थी जिसमें याचिका को इसलिए खारिज कर दिया गया था कि यह रिट लागू करने के लिए उपयुक्त मामला नहीं है। माना जा रहा है किकई कारणों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किरण रिजिजू से नाराज थे। खासकर पूरे देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने पर प्रधानमंत्री की गंभीरता से वे बेफिक्र थे जबकि भाजपा शासित राज्यों में लागू हो रहा था। वहीं एक बड़ा कारण न्यायपालिका और कानून मंत्री के बीच का वो चर्चित सार्वजनिक टकराव भी रहा जिससे उनके न्यायपालिका पर दिए बयानों से सरकार नाराज थी। ऐसा लगता है कि किरण रिजिजू अपनी ही राजनीति का शिकार हो गए। भला भारत जैसे देश में कोई सरकार क्यों चाहेगी कि वो बेवजह निशाना बने। सरकार नहीं चाहती थी कि न्यायपालिका के साथ टकराव सार्वजनिक रूप से दिखे। कर्नाटक चुनाव के चलते रिजिजू कोथोड़ा जीवन दान जरूर मिला था जो कि चुनाव निपटते असर कर गया। अब उन्हें भू-विज्ञान मंत्रालय मिला है।जबकि कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी स्वतंत्र प्रभार के रूप में अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई है। यह राजस्थान विधानसभा चुनाव के चलते भी अहम है। शायद इसे ही कहते हैं एक तीर से दो निशाने!

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

# कर्नाटक चुनाव परिणाम से चिंतित भाजपा करेगी रणनीति में बदलाव

(लेखक - सनत जैन)

2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पराजय का सामना करना पड़ा था। चारों राज्यों की पराजय शायद भाजपा की रणनीति का एक हिस्सा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इसके बाद भाजपा ने कर्नाटक और म.प्र. की कांग्रेस सरकारों को गिराकर भाजपा की सरकारें बना ली थी। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का जिस तरीके से विरोध हुआ है, भाजपा की कोई रणनीति यहां पर काम नहीं आई। कर्नाटक में मोदी का चेहरा, बजरंगबली के नारे लगाने के बाद भी भाजपा को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। पहली बार कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी व्यक्तिगत साख को दांव पर लगाया था। उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान के आखिरी दिनों में 19 रैलियां और 6 सड़क यात्रायें निकाली। पिछले 6 महीने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्नाटक यात्राएं हो रही थी। उन्होंने हवाई अड्डा का लोकार्पण, सड़क परियोजनाओं, रेलवे के प्लेटफार्म तथा कर्नाटक विकास को लेकर कई बड़ी योजनाओं की घोषणा और आश्वासन, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस का भरोसा दिलाने के बाद भी मतदाताओं पर ना तो मोदी पर विश्वास हुआ, नाही भाजपा के भ्रष्टाचार पर मोदी का मलहम काम आया। उल्टे महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं तथा धार्मिक सद्भाव को लेकर कर्नाटक के मतदाताओं ने एक नई दिशा चुनाव परिणाम में दी है। कर्नाटक के चुनाव प रिणाम भाजपा के लिए एक खतरे की घंटी की तरह है। कर्नाटक में महिलाओं का कांग्रेस की ओर तेजी के साथ झु काव दिखा है। महिलाओं का वोट 11 फ़ीसदी ज्यादा कांग्रेश को मिला है। महंगाई बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के कारण घर का बजट बुरी तरीके से बिगड़ा है। इसके आगे भाजपा के सभी प्रयास निष्फल साबित हुए। सबसे बड़ी बात यह है कि कर्नाटक से जो बातें निकल कर सामने आई हैं। उसमें 10000 रुपये से कम आमदनी वाले परिवारों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान ज्यादा किया है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 15 सीटों में से 1 सीट भी भाजपा नहीं जीत पाई। दलित आरक्षित सीटों पर भी मात्र एक तिहाई सीट में सफलता मिली। कर्नाटक में भाजपा के 30 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। धार्मिक एवं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कोई असर मतदाताओं में देखने को नहीं मिला। हिजाब, हलाल, अजान और टीपू सुल्तान को लेकर जो हवा भाजपा ने बनाई थी, वह भी परवान नहीं चढ़ी। कटी पतंग की तरह चुनाव के दौरान वह जमीन पर आ गिरी। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में हिंदू मतदाताओं का भी भाजपा से मोहभंग हुआ। महंगाई और बेरोजगारी के चलते हिंदी-हिंदू और हिंदुस्तान का मतलब पूरी तरह से यहां गौड हो गया। भाजपा का अति आत्मविश्वास भी कर्नाटक में पराजय का सबसे बड़ा कारण रहा है। कांग्रेस ने चुनाव का जो एजेंडा सेट किया था। भाजपा को उसके अनुसार चलना पड़ा, जो कर्नाटक में भाजपा की पराजय का कारण बना। भूखे भजन न होय गोपाला की तर्ज में अब आम मतदाता की सोच बड़ी तेजी के साथ बदली है। कर्मफल के बिना पेट भी नहीं भरा जा सकता है। जय श्री राम, बजरंगबली और हिंदू-हिंदू करने से हिंदू मतदाताओं का पेट नहीं भर रहा है। उन्हें भी 70 रुपये लीटर का दूध लेना पड़ रहा है। 90 से 100 रुपये लीटर का डीजल-पेट्रोल लेना पड़ रहा है। जीएसटी के माध्यम से सभी चीजों में 12 से लेकर 28न्न तक टैक्स हर गरीब को देना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपराजेय होने की जो छवि बनी थी, वह कर्नाटक में धू मिल हो गई है। कहा जा रहा है कि भाजपा अब अपनी शैली में बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव के पहले नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान भाजपा भी खोलने जा रही है। लोकसभा चुनाव के पहले पशमंदा मुसलमानों और ईसाइयों को आकर्षित करने के रणनीति भाजपा ने तैयार करना शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के नगरीय निकाय के चुनाव में इस बार भाजपा ने मुस्लिम उम्मीदवारों को भी टिकट दी है। भाजपा पहली बार महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर संजीदा नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा लोकसभा चुनाव के पहले अपना चेहरा-मोहरा बदलने में लगी है। कोशिश यही होगी कि राहुल गांधी द्वारा सामाजिक और धार्मिक सद्भाव में नफरत के बाजार में प्रेम की दुकान की जो बात कही जा रही है, वही प्रेम लेकर भाजपा लोकसभा के चुनाव में देशभर में चुनाव प्रचार करेगी? इसके लिए संघ और उसके सभी अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा संगठन, सभी धार्मिक समुदाय और सभी जातियों के साथ समन्वय बनाने की कोशिश कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

## सेंसेक्स 298 , निफ्टी 18,200 अंक ऊपर आया

**मुम्बई ।**
मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछला दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आया है। कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों में निचले स्तर से खरीदारी हुई जबकि आईटी, रियल्टी, ऑटो शेयरों में भी बढ़त रही हालांकि फार्मा और पीएसई शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 297.94 अंक करीब 0.48 फीसदी की तेजी के साथ ही 61,729.68 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,784.61 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 61,251.70 तक आया। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 73.45 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी ऊपर आकर 18,203.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,218.10 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,060.40 तक आया। वहीं गत कारोबारी सत्र में 30 शेयरों पर आधारित बजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 22 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और एक्सिस बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा 3.22 फीसदी लाभ टाटा मोटर्स के शेयरों को हुआ। वहीं, दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 8 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपसी के शेयर सबसे ज्यादा करीब 1.06 फीसदी तक गिरे। वहीं एशियन पेंट्स, टाइटन, पावर ग्रिड और टाटा स्टील सेंसेक्स के टॉप 5 नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 92.26 अंक की बढ़त के साथ 61,524.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 3.05 अंक की बढ़त के साथ 18,133.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 48.84 अंक की बढ़त के साथ 61,480.58 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।



## रुपया गिरावट के साथ बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलार के मुकाबले रुपये में आयी 5 पैसे की गिरावट रही। इससे रुपया 82.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने से भी रुपया नीचे आया है। वहीं घरेलू शेयर बाजार में मजबूती और विदेशी पूंजी निवेश बने रहने के कारण रुपये की गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा। दूसरी ओर अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.71 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 5 पैसे नीचे आकर 82.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.64 के उच्च स्तर तक गया और 82.80 के निचले स्तर तक आया। वहीं गत करोबारी सत्र में रुपया 82.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.32 फीसदी नीचे आकर 103.25 रह गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 297.94 अंक की बढ़त के साथ ही 61,729.40 अंक पर बंद हुआ।

## कजाकिस्तान की कंपनी लॉजिस्टिक पार्क में करेगी 1000 करोड़ रुपए का निवेश

**नई दिल्ली ।** जेवर एयरपोर्ट का असर अब साफ देखने को मिल रहा है। कजाकिस्तान की कंपनी यहां के लॉजिस्टिक पार्क को विकसित करने के लिए 1000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसके लिए उसने 200 एकड़ जमीन की मांग की है। इसमें वह अपना यह प्रस्ताव कजाकिस्तान की कंपनी ने यमुना अथॉरिटी की प्रभारी सीईओ मोनिका रानी से मुलाकात कर उन्हें सौंपा। कजाकिस्तान से आई कंपनी के अधिकारियों ने यमुना अथॉरिटी में पहुंचकर प्रभारी सीईओ मोनिका रानी से मुलाकात की। कंपनी के प्रतिनिधिमंडल में समूह के अध्यक्ष एवं रणनीतिक निदेशक इवान मज़ीलिकिन, सीईओ विटाली मर्जीलिकिन, इरीना पींगगोरिना, अमरदीप सिंह और कैप्टन राहुल वर्मा शामिल रहे। एएल स्टाइल कंपनी ने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बाजना-टप्पल में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क में 1,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की इच्छा जताई है। अधिकारियों ने पीपीपी मॉडल के जरिये इस परियोजना को बढ़ाने के लिए कहा। पर कंपनी ने खुद जमीन खरीदकर काम करने की इच्छा जताई है। इस परियोजना से यहां पर प्रत्यक्ष रूप से 1000 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह कंपनी कंप्यूटर, नेटवर्क, इंस्टालेशन डिवाइस, कंपोनेंट, बच्चों के लिए खिलौने, मौसमी सामान और मोबाइल फोन आदि के क्षेत्र में काम करती है। इस कंपनी को कजाकिस्तान और किर्गिस्तान में फोर्ब्स पत्रिका ने शीर्ष 100 कंपनियों में से 35वां स्थान दिया है।

## ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी बीटी 55,000 नौकरियां कम करेगी

**लंदन ।**

ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी बीटी ग्रुप की योजना इस दशक के ओ खिरी तक 55,000 नौकरियों की कटौती की है। खर्चों में कमी लाने के लिए कंपनी यह कदम उठाने जा रही है। बीटी में नियमित और अनुबंधित कर्मियों की संयुक्त संख्या 1,30,000 है। कंपनी ने हाल में अपनी आमदनी रिपोर्ट में कहा कि उसके कर्मियों की संख्या 2030 तक घटकर 75,000 से 90,000 तक रह जाएगी। पूर्व में ब्रिटिश टेलीकॉम के नाम से जानी जाने वाली कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी फिलिप जानसेन ने कहा कि 2020 का दशक खत्म होते-होते बीटी समूह के कर्मियों की संख्या बहुत कम हो जाएगी और खर्च भी बहुत कम हो जाएगा। इसके पहले यूरोप और अफ्रीका में परिचालन करने वाली ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन ने बड़े पुनर्गठन के तहत 11,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी।

## सोने में गिरावट, चांदी में तेजी

**नई दिल्ली ।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने में गिरावट जबकि चांदी में तेजी दर्ज की गयी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 105 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,045 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था जबकि चांदी 255 रुपये बढ़कर 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 105 रुपये की गिरावट के साथ 60,045 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया।''दूसरी ओर विदेशी बाजारों में सोना गिरावट के साथ ही 1,967 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी बढ़त के साथ ही 23.88 डॉलर प्रति औंस हो गयी।

## भारतीय क्विक सर्विस रेस्टोरेंट में निवेश की होड़

**मुंबई ।** विदेशी निवेशकों के बीच भारतीय क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूआरएस) इंडस्ट्री में निवेश की होड़ मची है। ये निवेशक भारतीय कंपनियों का अधिग्रहण कर रहे हैं, क्योंकि युवा आबादी ज्यादा होने और खरीदने की क्षमता बढ़ने के कारण ये फर्म भी तेजी से बढ़ रही हैं। मूल्यांकन बढ़ने के साथ ही इनके राजस्व में भी इजाफा हुआ है। बैंकरों का कहना है कि प्राइवेट इक्विटी फर्म एवरस्टोन कैपिटल भारत में बर्गर किंग की फ्रैंचाइज चलाने वाली कंपनी रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया में अपनी 41 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। कंपनी इसके लिए जुबिलैंट फूडवर्क्स या अमेरिका की निजी इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनैशनल की अगुआई वाले कंसोर्टियम से बातचीत कर रही है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक क्लाउड किचन फर्म रेबेल फूड्स प्राइवेट ने सॉवरिन वेल्थ फंड कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की अगुआई में कुछ निवेशकों से 17.5 करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाई है। अगस्त 2021 में क्रिएडर कैपिटल ग्रुप, टीआर एडवाजर्स, न्यू क्वेस्ट कैपिटल पार्टनर्स ने पिज्जा हट चलाने वाली सफायर फूड्स में इसके आईपीओ से ठीक पहले निवेश किया था। बैंकरों ने कहा कि जुबिलैंट ले पास भारत में डॉमिनोज पिज्जा की फ्रैंचाइज पहले ही है और वह आरबीए में हिस्सेदारी खरीदने में सफल रही, तब उसके पास भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग में एक कंसोर्टियम हो जाएगा। एडवेंट एक अन्य निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक के साथ खुली पेशकश ला सकती है। सौदे के बाद बाजार नियामक सेबी के अधिग्रहण नियमों के मुताबिक अल्पांश शेयरधारकों के लिए खुली पेशकश लाई जाएगी। एडवेंट ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। जुबिलैंट फूडवर्क्स और एवरस्टोन को ईमेल भेजा गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। बैंकरों के अनुसार जुबिलैंट को अधिग्रहण की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है।

## एप्पल ने दिव्यांगों के लिए नई एक्सेसिबिलिटी का किया अनावरण

### -आईफोन, आईपेड और मेकबुक में मिलेंगे खास टूल

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

दिव्यांग आईफोन यूजर्स की सहायता के लिए एप्पल कंपनी ने नई एक्सेसिबिलिटी सुविधाओं का अनावरण किया है। इन में आईफोन, आईपैड और मैक पर आने वाले टूल्स में सहायक एक्सेस, लाइव स्पीच और पर्सनल वॉयस फीचर्स शामिल होंगे। इनमें असिस्टिव एक्सेस मानसिक रूप से दिव्यांग लोगों के लिए है।

यह फोन और फेसटाइम के लिए एक कस्टमाइज अनुभव प्रदान देता है। यह हाई-कंट्रास्ट बटन और बड़े टेक्स्ट लेबल के साथ एक अलग इंटरफेस देता है। वहीं लाइव स्पीच गैर-मौखिक लोगों यानी कि बोले में अक्षम यूजर्स को बातचीत करने में सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है। एप्पल उन लोगों के लिए भी इसे आसान बना रहा है, जिन्हें पर्सनल वॉयस फंक्शेनलिटी के साथ एएलएस जैसी स्थितियों के कारण बोलने की क्षमता खोने का खतरा है। यह सुविधा प्रत्येक व्यक्तिगत यूजर के लिए एक यूनिक पर्सनलाइज्ड आवाज जनरेट करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करती है। 18 मई को ग्लोबल एक्सेसिबिलिटी अवेयरनेस डे को चिह्नित करने के लिए एप्पल ने बुधवार यानी 17 मई को नई एक्सेसिबिलिटी फीचर्स की घोषणा की, जिसका उद्देश्य स्पीच, विजन और संज्ञानात्मक अक्षमता वाले यूजर्स को एप्पल उपकरणों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सहायता करना है। आईपेड और आईओएस के लिए डिजाइन किया गया असिस्टिव एक्सेस, मानसिक रूप से विकलांग यूजर्स के लिए लक्षित है। यह ऐप्स को मर्ज करके एक कस्टमाइज अनुभव देता है और हाई-कंट्रास्ट बटन और बड़े टेक्स्ट लेबल के साथ एक अलग इंटरफेस देता है। फोन और फेसटाइम को एक ही कॉल ऐप के साथ-साथ मैसेज, कैमरा, फोटो और म्यूजिक में जोड़ा गया है।

इससे एक्सेस-करने वाले लोगों के लिए अपने प्रियजनों से बात करना, फोटो साझा करना और म्यूजिक सुनना आसान हो जाएगा।एप्पल द्वारा प्रिव्यू की गई अन्य विशेषताओं में पर्सनलाइज्ड वॉयस शामिल है, जो यूजर्स को एक ऑटोमेटिकली वॉयस जनरेट करने की अनुमति देती है जो उनकी तरह लगती है। यह मशीन लर्निंग-समर्थित टूल को ऐसे लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें एएलएस (एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस) जैसी स्थितियों से बोलने की क्षमता खोने का जोखिम है। आईफोन या आईपेड यूजर 15 मिनट के लिए अपने माइक्रोफोन में बेतरतीब ढंग से चुने गए टेक्स्ट सिंबल को पढ़कर परिवार और दोस्तों से जुड़ने के लिए एक पर्सनलाइज्ड वॉयस जनरेट कर सकते हैं। पर्सनल वॉइस शुरू में अंग्रेजी बोलने वालों के लिए उपलब्ध होगा और इसे केवल एपल सिलिकॉन वाले यूजर्स पर ही बनाया जा सकता है।

एक और नई सुविधा प्वाइंट एंड स्पीक है, जो दृष्टिहीन लोगों के लिए है। मैग्निफायर ऐप में पॉइंट एंड स्पीक आईपेड और आईफोन के कैमरा और लीदार स्कैनर का उपयोग करता है ताकि दृष्टिबाधित लोगों को भौतिक वस्तुओं जैसे घरेलू उपकरणों के साथ काम करने में मदद मिल सके, जिनमें कई टेक्स्ट लेबल होते हैं।

यह कार्यक्षमता वॉयसओवर का समर्थन करती है और इसका उपयोग अन्य मैग्निफायर फीचर्स जैसे पीपुल डिटेक्शन, डोर डिटेक्शन और इमेज डिस्क्रिप्शन के साथ किया जा सकता है, ताकि यूजर्स को उनके भौतिक वातावरण को नेविगेट करने में मदद मिल सके। फिलहाल यह सुविधा अंग्रेजी, फ्रेंच, इतालवी, जर्मन, स्पेनिश, पुर्तगाली, चीनी, कैंटोनीज, कोरियाई, जापानी और यूक्रेनी भाषाओं में उपलब्ध है।इसके अलावा, बधिर या कम सुनने वाले उपयोगकर्ता अब मेड फॉर आईफोन हियरिंग डिवाइस को सीधे मैक से पेयर कर सकेंगे और उन्हें सुनने की सुविधा के लिए कस्टमाइज कर सकेंगे।

## फैबइंडिया लेकर आया है द बिग समर सेलिब्रेशन

**नई दिल्ली/इन्दौर ।(एजेंसी)**

गर्मी का यह मौसम होने जा रहा है खास, क्योंकि फैबइंडिया 'बिग समर' के साथ आपके लिए बहुत कुछ लेकर आया है। यह एक सेलिब्रेशन है, जहाँ फैशन का परंपरा से और क्वालिटी का अफोरडेबिलिटी से बेजोड़ मेल देखने को मिलेगा, जो फैबइंडिया के 350 से अधिक स्टोर सहित ऑनलाइन और एप्प पर भी उपलब्ध होगा। तो आइए, फैबइंडिया के साथ करें इस गर्मी का स्वागत।

चाहे बात ऑफिस वार्डरोब में नए बदलाव की हो, सेलिब्रेशन की हो या घूमने जाने की हो, फैबइंडिया के बेहतरीन डील और स्टाइल आपकी तमाम इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करेगी। 'बिग समर' सेलिब्रेशन में कपड़ों के अलावा हाथ से तैयार घर के साज-ओ-सामान और निजी देखभाल के उत्पादों की एक पूरी रेंज है जो टॉक्सीन-फ्री और नैचुरल बायो-एक्टिव्स से भरपूर हैं।

कंटेम्परारी कुर्ते, साड़ी, शर्ट और ट्राउजर्स के चुनिंदा कलेक्शन सहित खूबसूरती में चार-चाँद लगाने के लिए शानदार भारतीय गहने, बैग, जूते और ट्रेंडी एक्सेसरीज की भी खरीदारी कर सकते हैं। आपकी चॉइस यहीं खत्म नहीं होगी, क्योंकि यहाँ सॉफ्ट लिनेन, मॉडर्न डेकोरेटिव आइटम्स, मजबूत फर्नीचर और अत्याधुनिक किचेनवेयर के घरेलू कलेक्शन भी मौजूद हैं। खरीदारी जरूर करें मगर इतना याद रखें - बड़ा बैग यानी बड़ी बचत।

अजय कपूर (प्रेसिडेंट, सेल्स), फैबइंडिया ने बिग समर सेलिब्रेशन के बारे में कहा, ÷रोज सजने-सँवरने की चीजें हों या घूमने-फिरने से लेकर छुट्टियाँ मनाने तक की चीजें - गर्मियों के मौसम में हमेशा हमारे ग्राहक सीजन के हिसाब से वार्डरोब भरकर रखना पसंद करते हैं। हम चाहते हैं कि फैबइंडिया की चुनिंदा पेशकश और एक्सपिरियेंस 2023 की गर्मियों को एक उत्सव में बदल दे। कपड़े, फर्नीचर, रोज सजने-सँवरने वाली जरूरी चीजों से लेकर घरों को अपग्रेड करने और गर्मियों में जीवन-जीने की शैली को बदलने तक के लिए 'द बिग समर' एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। शानदार कलेक्शंस और बेजोड़ ऑफर्स के साथ यह निश्चित रूप से सभी के चेहरों पर मुस्कान लेकर आएगा।

देख-परख कर खरीदी गई रौ मटेरियल और पूरे भारत के कारीगरों की टीम की दस्तकारी से तैयार फैबइंडिया के प्रोडक्ट हेंडिक्राफ्ट्स के नायाब और ससटेनेबल होने के लिए जाने जाते हैं। क्वालिटी और सोशल रिस्पांसिबिलिटी के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए फैबइंडिया का हर प्रोडक्ट देश की रिच हेरिटेज को बढ़ावा देता है। केयर और प्रेसिजन के साथ बने ये कलेक्शन सदाबहार हैं, जो आपके मौजूदा कलेक्शन को और भी बेहतर बनाएगा।

फैबइंडिया के साथ स्टाइल से इस सीजन का स्वागत करने के लिए अपने विश लिस्ट में पसंदीदा प्रोडक्ट को शामिल कर यहाँ आने का दिन तय करें।

## रिलायंस रिटेल के साथ चीन की कंपनी फिर करेगी भागीदारी

**नई दिल्ली ।** भारत में प्रतिबंधित होने के लगभग तीन वर्ष बाद चीन की ऑनलाइन फास्ट फैशन कंपनी शीन देश की प्रमुख खुदरा विक्रेता रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी कर यहां दोबारा प्रवेश करने जा रही है। उद्योग जगत से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। शीन उन ऐप में शामिल है, जिन्हें चीन से सीमा पर तनाव के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जून, 2020 में प्रतिबंधित कर दिया था। अब शीन ने रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी कर ली है और अब वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते फैशन बाजारों में से एक में मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई के माध्यम से काम करेगी। इस संबंध में रिलायंस रिटेल को ईमेल भेजकर पूछा गया लेकिन फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है।

मास्को में लोग हेलीफॉप्टर इंडस्ट्री की प्रदर्शनी हेलीरुस 2023 को देखते हुए।

## बर्गर किंग की फ्रैंचाइज चलाने वाली कंपनी आरबीए में बेचेगी अपनी 41 फीसदी हिस्सेदारी

**नई दिल्ली । (एजेंसी)**

विदेशी निवेशकों के बीच भारतीय क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) इंडस्ट्री में निवेश की होड़ मची है। ये निवेशक भारतीय कंपनियों का अधिग्रहण कर रहे हैं क्योंकि युवा आबादी ज्यादा होने और खरीदने की क्षमता बढ़ने के कारण ये फर्म भी तेजी से बढ़ रही हैं। मूल्यांकन बढ़ने के साथ ही इनके राजस्व में भी इजाफा हो रहा है। बैंकरों का कहना है कि प्राइवेट इक्विटी (पीई) फर्म एवरस्टोन कैपिटल भारत में बर्गर किंग की फ्रैंचाइज चलाने वाली कंपनी रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया में अपनी 41 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। कंपनी इसके लिए जुबिलैंट फूडवर्क्स या अमेरिका की निजी इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनैशनल की अगुआई वाले कंसोर्टियम से बातचीत कर रही है। शेयर भाव के हिसाब से आरबीए में एवरस्टोन की हिस्सेदारी का मूल्य करीब 2,453 करोड़ रुपए है। सौदा वर्तमान मूल्य पर हुआ तो ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार क्यूएसआर उद्योग में यह अभी तक का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक क्लाउड किचन फर्म रेबेल फूड्स प्राइवेट ने सॉवरिन वेल्थ फंड कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की अगुआई में कुछ निवेशकों से 17.5 करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाई है। अगस्त 2021 में क्रिएडर कैपिटल ग्रुप, टीआर एडवाजर्स, न्यू क्वेस्ट कैपिटल पार्टनर्स ने पिज्जा हट चलाने वाली सफायर फूड्स में इसके आईपीओ से ठीक पहले निवेश किया था। बैंकरों ने कहा कि जुबिलैंट ले पास भारत में




डॉमिनोज पिज्जा की फ्रैंचाइज पहले ही है और वह आरबीए में हिस्सेदारी खरीदने में सफल रही तो उसके पास भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग में एक कंसोर्टियम हो जाएगा। एडवेंट एक अन्य निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक के साथ खुली पेशकश ला सकती है।

## पेट्रोल पंप पर जीरो देखने से भी ज्यादा जरूरी है फ्यूल डेंसिटी

**नई दिल्ली । (एजेंसी)**

अक्सर कार या बाइक में आए दिन पेट्रोल-डीजल की फ्यूलिंग के समय हमेशा पंप मशीन की डिस्प्ले पर जीरो देखा जाता है। लेकिन मशीन पर कुछ और डिस्प्ले भी होती हैं लेकिन हमारा ध्यान हमेशा जीरो, मात्रा और कीमत पर जाता है। लेकिन आपने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि गाड़ी के टैंक में जाने वाला पेट्रोल कितना बेहतर है। दरअसल पेट्रोल-डीजल की डेंसिटी उसकी शुद्धता से संबंधित है, जिन्हें आप आसानी से जान सकते हैं। सरकार ने फ्यूल डेंसिटी के स्टैंडर्ड तय किए हैं, जिनकी मदद से आप जान सकते हैं कि आपको मिल रहा पेट्रोल-डीजल कितना शुद्ध है, क्योंकि अक्सर ईंधन में मिलावट की शिकायतें सामने आती रहती हैं। फ्यूल डेंसिटी की जानकारी पेट्रोल भरने वाली मशीन के डिस्प्ले पर होती है। पेट्रोल की रसीद पर भी डेंसिटी लिखी होती है। अगर आप इससे संतुष्ट नहीं होते हैं तो पंप पर उपलब्ध डेंसिटी जार से इसकी जांच करवा सकते हैं। हर पदार्थ का एक निश्चित घनत्व होता है और ईंधन के साथ भी ऐसा ही है। सरकार ने पेट्रोल-डीजल की डेंसिटी के मानक तय कर रखे हैं। पेट्रोल की डेंसिटी 730 से 800 किलोग्राम प्रति घन मीटर है। वहीं डीजल की शुद्धता का घनत्व 830 से 900 किग्रा/एम3 के बीच बताया होता है। हालांकि, इसकी रेंज फिक्स नहीं होती है और तापमान में बदलाव इसका कारण होता है. लेकिन अगर तय सीमा से कम डेंसिटी का पेट्रोल मिलता है तो आपकी इसकी शिकायत कर सकते हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अनुसार प्रत्येक उपभोक्ता को पेट्रोल की शुद्धता मापने का अधिकार है।

## हुंडई शैल इंडिया के साथ मिलकर देश भर मे लगाएगी ईवी के लिए फास्ट चार्जर

**नई दिल्ली ।(एजेंसी)**

हुंडई मोटर इंडिया ने इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में एक बड़ा कदम उठाते हुए शेल इंडिया मार्केट्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते के तहत कार बनाने वाली कंपनी हुंडई शैल इंडिया के साथ मिलकर देश भर में अपने 36 डीलरशिप में 60 किलोवाट फास्ट चार्जर लगाने का काम करेगी। हुंडई ने कहा कि रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य देश में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को बढ़ाना है।

शेल इंडिया के साथ सहयोग हुंडई मोटर इंडिया की ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार योजना का एक हिस्सा है। हुंडई मोटर ने कहा कि शेल इंडिया मार्केट्स डीलरों में डीसी 60केवी फास्ट चार्ज के बजाय डीसी 120 केवी फास्ट चार्जर लगाने पर भी विचार करेगा। हुंडई मोटर इंडिया के एमडी और सीईओ उनसू किम ने कहा कि इस तरह की रणनीतिक साझेदारी कार्बन तटस्थता के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्राहकों द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने के लिए ये जरूरी है। बता दें कि हुंडई मोटर इंडिया के पास वर्तमान में 45 शहरों में 72 ईवी डीलर्स का मौजूदा नेटवर्क है।

कंपनी के ईवी डीलरशिप पर सार्वजनिक ईवी चार्जिंग सुविधा की स्थापना के लिए चरण-1 पिछले दिनों संपन्न हो गया था। डीसी 60/120 केवी फास्ट चार्जर्स की स्थापना के लिए 36 अतिरिक्त डीलरशिप में शेल इंडिया मार्केट्स के साथ चरण-2 की शुरुआत की गई है।

# केकेआर पर जीत दर्ज कर लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी सुपरजाइंट्स

**कोलकाता (एजेंसी)।** आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराकर लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। लखनऊ को टीम को इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसके पास जीत दर्ज कर प्लेऑफ में पहुंचने का शानदार अवसर है। वह पिछले कुछ मैचों से अच्छी लय में आ गयी है। नियमित कप्तान लोकेश राहुल के बाहर होने के बाद भी टीम की बल्लेबाजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसका कारण ये भी रहा कि राहुल आईपीएल के पहले से ही फार्म में नहीं थे और जिन मैचों में उन्होंने खेलना उनमें भी वह रन नहीं बना पाये थे। कार्यवाहक कप्तान क्रुणाल पंड्या ने अब तक अच्छी कप्तानी की है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 177 रन के स्कोर का बचाव करते समय अच्छी रणनीति दिखायी थी। मुंबई के खिलाफ मार्कस स्टोइनिस बल्लेबाजी जबकि मोहसिन खान और रवि बिश्नोई गेंदबाजी में प्रभावी रहे। सुपरजाइंट्स की टीम इस मैच में फुटबॉल टीम मोहन बागान के रंग की जर्सी में उतरेगी क्योंकि दोनों टीमों का मालिकाना अधिकार एक ही समूह आरपी के पास है।

वहीं दूसरी ओर केकेआर की टीम भी प्लेऑफ के लिए पूरी ताकत लगा देगी हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं रहेगा। केकेआर टीम अब तक इस सत्र में एक ईकाई के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। उसे खिलाड़ियों में निरंतरत की कमी है। केवल रिंकू सिंह ही लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। रिंकू ने ही टीम को कुछ मैचों में अपने बल पर जीत दिलायी है। उसे अभी तक 13 मैचों में से सात में हार का सामना करना पड़ा और इनमें से चार मैच वह अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स पर भी हारी है।

केकेआर के बल्लेबाज अब भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे। जहां तक गेंदबाजी की बात है। उसमें अनुभव की कमी दिखती है। इसके अलावा उसका क्षेत्ररक्षण भी खराब रहा है। गेंदबाजी में हालांकि वरुण चक्रवर्ती ने अच्छा प्रदर्शन

किया है। रिंकू और वरुण जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बल पर ही केकेआर की टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना रख रही है। जिस तरह के समीकरण बन रहे हैं उसमें चार टीम 14 अंकों के साथ ही अपने अभियान का समापन कर सकती हैं और ऐसे में बेहतर नेट रन रेट वाली टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी।

ऐसे में केकेआर के अभी 12 अंक हैं और उसे न सिर्फ बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी बल्कि अन्य मैचों के परिणाम में उसके अनुकूल रहने की उम्मीद करनी होगी।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

**कोलकाता नाइट राइडर्स:** नीतीश राणा (कप्तान), जेसन रॉय, रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लोकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह और आर्या देसाई।

**लखनऊ सुपरजाइंट्स:** क्रुणाल पंड्या (कप्तान), आयुष बडोनी, करण शर्मा, मनन वोहरा, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस, कृष्णप्पा गौतम, दीपक हुड्डा, काइल मेयर्स, अवेश खान, मोहसिन खान, मार्क वुड, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, निकोलस पूरन, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, डेनियल सैम्स, अमित मिश्रा, प्रेरक मांकड़, स्वप्निल सिंह, नवीन उल हक, युद्धवीर चरक और करुण नायर

# दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी सीएसके

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** (ईएमएस)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम दिल्ली कैपिटल्स को हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में सीएसके जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में शानदार रही है जिसके बल पर उसे इस मैच में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इसके अलावा टीम के पास महेन्द्र सिंह धोनी जैसे करिश्माई कप्तान है।

सीएसके की टीम अभी 13 मैचों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है पर इसके बाद भी वह दिल्ली के खिलाफ कोई कसर नहीं रखेगी क्योंक एक हार उसे प्लेऑफ से बाहर कर देगी। दिल्ली ने इससे पहले के मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर उसकी प्लऑफ की उम्मीदें तोड़ दीं थीं। इस मैच में जीत से सीएसके प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर वह दूसरे स्थान पर रहेगी या नहीं इसका निर्धारण लखनऊ सुपरजाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम से तय होगा। लखनऊ के भी 15 अंक हैं पर सीएसके का नेट रन रेट उससे बेहतर है।

इस कोटला का विकेट धीमा है जिससे यह सीएसके की रणनीति के लिए लाभदायक है। ऐसे में धोनी इस मैच में अनुकूल माहौल का लाभ उठाना चाहेंगे। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है। उसके शीर्ष क्रम में डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं बीच के ओवरों में अंबाती रायडू, रविंद्र जडेजा और मोईन अली और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी हैं। धोनी ने अंतिम ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का अच्छा नमूना पेश किया है और टीम को उनसे फिर से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में तुषार देशपांडे और श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। स्पिन की जिम्मेदारी रविन्द्र जडेजा, मोईन अली और महेश तीक्ष्णा अच्छी तरह से संभाली है।

वहीं दूसरी ओर पहले ही प्लेऑफ से बाहर हुई दिल्ली ने पहले चरण में लगातार पांच मैच गंवाए लेकिन इसके बाद उसने कुछ लय हासिल की और अगले आठ में से पांच मैचों में जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम ने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को 15 रनों से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। बल्लेबाजी में अक्षर पटेल के अलावा कप्तान डेविड वॉर्नर, मिशेल मार्श, फिल सॉल्ट और रिली रोसौव ने अच्छी पारियां खेली हैं।उसका लक्ष्य इस मैच में उलटफेर कर सीएसके की संभावनाओं को समाप्त करना रहेगा। उसके लिए सकारात्मक पक्ष घरेलू मैदान का होना है। इसके अलावा पृथ्वी शॉ सहित टीम के अन्य बल्लेबाज फार्म में आ गये हैं। दिल्ली ने अब तक जितने भी मैच जीते उनमें उसके गेंदबाजों की मुख्य भूमिका रही है। तेज गेंदबाज इशांत शर्मा, एनरिक नोर्किया और खलील अहमद ने अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि स्पिनर अक्षर और कुलदीप यादव ने विरोधी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया है। अक्षर ने पूरे सत्र में अच्छी बल्लेबाजी भी की है। कप्तान डेविड वार्नर भी लीग के इस अंतिम मैच में बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

## तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने के कारणों पर ध्यान देना होगा : जहीर

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान तेज गेंदबाजों के लगातार चोटिल होने से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं कुछ गलती हो रही है जिसपर हमें ध्यान देना होगा। भारतीय टीम के तेज गेंदबज जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर और प्रसिद्ध कृष्णा भी अभी चोटों के कारण खेल से दूर हैं। चाहर को पैर की मांसपेशियों में खिंचाव जबकि कृष्णा के पीठ में खिंचाव है। जहीर ने कहा कि गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज भी गंभीर चोटों से जूझ रहे हैं। इसका कारण मुझे समझ नहीं आ रहा है। जहीर ने आईपीएल में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के अच्छे प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार है। उन्होंने चीजों को सरल बनाये रखा है। मैं कहूंगा कि यह पावरप्ले में खेलने का सही तरीका है और यह देखना बहुत अच्छा है कि गेंदबाज इस तरह के उदाहरण पेश कर रहे हैं, चीजों को सरल रख रहे हैं। ये लोग प्रारूप की कठिनाइयों में नहीं फंस रहे हैं।

जहीर ने कहा कि शमी और सिराज के व्यस्त आईपीएल कार्यक्रम से उनपर काम का बोझ शायद ही बढ़े क्योंकि इस प्रारुप में टेस्ट मैच की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी करनी होती है। भारतीय टीम को सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल भी खेलना है। जहीर ने सनराइजर्स हैदराबाद के उमरान मलिक की उपेक्षा पर भी नाराजगी व्यक्त की है। जहीर ने कहा, मुझे लगता है कि उमरान को फ्रेंचाइजी द्वारा अच्छी तरह से संभाला नहीं गया है। सनराइजर्स उनकी सेवाओं का बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे और यह स्पष्ट है।

# पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पदक कुर्बान करने को तैयार : बजरंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने गुरुवार को कहा कि महिला पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए वे खेल में अपने करियर का 'बलिदान' देने को तैयार हैं। इन पहलवानों ने 10 से 18 जून तक किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाली अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल आयोजित करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) पैनल के फैसले का भी स्वागत किया। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, संगीता फोगाट और अपने समर्थकों के साथ राजघाट पहुंचने के बाद बजरंग पूनिया ने कहा कि वे बृजभूषण की गिरफ्तारी से पहले प्रदर्शन खत्म नहीं करेंगे।

बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। बजरंग ने कहा, '' न्याय के लिए हमारी लड़ाई जारी

रहेगी। पूरे देश से हमें भरपूर समर्थन मिल रहा है। सरकार का नारा है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, इसलिए ध्यान रखना चाहिए कि ये देश की बेटियां है।'' यह पूछे जाने पर कि पिछले 26 दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन से क्या इस साल होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों में बाधा आ रही है, बजरंग ने कहा कि अब उनकी प्राथमिकता पीड़ितों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा, '' अगर हमें बेटियों के लिए न्याय मिलता है तो यह हमारा सबसे बड़ा पदक होगा। हम कुर्बानी देने को तैयार हैं। यह लड़ाई डब्ल्यूएफआई में अच्छे लोगों के लिए है न कि बृजभूषण या उनके अनुयायियों जैसे लोगों के लिए जो महिला पहलवानों से छेड़छाड़ करते रहेंगे।'' अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल क्रमशः सोनीपत और पटियाला में 17 से 20 मई तक होंगे। बजरंग ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''हम ट्रायल के जरिए खेल को फिर से शुरू करने के कदम का स्वागत करते हैं। हमने पहले कहा था कि खेल का संचालन बृजभूषण की जगह समिति द्वारा किया जाना चाहिये। हमने समिति का कभी विरोध नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''हम दूसरे पहलवानों को यहां नहीं बुला रहे हैं, हम नहीं चाहते कि उनका अभ्यास प्रभावित हो।'' बजरंग ने कहा कि जैसा कि पहले चर्चा की गई थी, अगर 21 मई तक बृजभूषण की गिरफ्तारी पर फैसला नहीं होता है तो उसी दिन 'बड़ी पंचायत (ग्राम परिषद)' का आयोजन होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रदर्शन के भविष्य का खाका पंचायत में बुजुर्गों द्वारा तय किया जायेगा।

## मुझे और डुप्लेसी को टैटू पसंद, इसलिए दोनो के बीच है अच्छा तालमेल : विराट

हैदराबाद (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में उनके और कप्तान फाफ डुप्लेसी के बीच हुई साझेदारी का राज बताया है। इस मैच में विराट और डुप्लेसी के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने दस विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। विराअ ने डुप्लेसी के साथ अपनी शानदार साझेदारी के पीछे के कारणों को बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें और डुप्लेसी को टैटू पसंद हैं और इसलिए वह दोनों ही अच्छे से तालमेल बनाने में सफल रहते हैं। कोहली ने कहा, इस मैच के महत्व को यह साझेदारी अहम रही। हैदराबाद ने शानदार स्कोर बनाया। गेंद ग्रिप भी कर रही थी। हम एक अच्छी ठोस शुरुआत चाहते थे। हमनें 172 रनों तक विकेट नहीं खोई, ऐसा होने की उम्मीद नहीं थी। इस सत्र में फाफ एक अलग स्तर पर रहा है। पिछले 2-3 मैच मेरे लिए सही नहीं रहे, जिस तरह से मैं नेट्स में प्रैक्टिस कर रहा था तो गेंद को अच्छे से हिट नहीं कर पा रहा था। मैं एक प्रभाव बनाना चाहता था और मेरा इरादा पहली गेंद से गेंदबाजों के पीछे जाने का था। कुछ ऐसा जो मैंने पूरे सीजन में किया है।

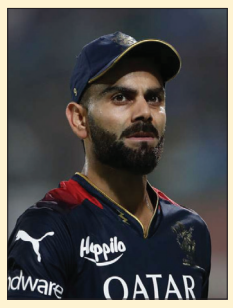

# कंपाउंड तीरंदाज ओजस और ज्योति ने पदक पक्का किया, फाइनल में मुकाबला कोरिया से

**शंघाई। (एजेंसी)।** भारत की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने शुक्रवार को यहां फाइनल में जगह बनाकर विश्वकप के दूसरे चरण में पदक पक्का किया लेकिन रिकर्व तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारतीय जोड़ी ने एक रोमांचक सेमीफाइनल में इटली की अपनी प्रतिद्वंदी टीम को 157-157 (19*-19) से हराकर विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। भारत की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से होगा। पिछले महीने अंताल्या में विश्वकप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय जोड़ी की फाइनल में यहां कड़ी परीक्षा होगी।

भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में

बांग्लादेश को 158-151 से आसानी से पराजित किया, जबकि अगले दौर में उन्होंने तुर्की की मजबूत टीम पर 157-156 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में इटली की एलिसा रोनर और एलिया फ्रीगनन ने पहले चक्र में परफेक्ट 40 का स्कोर बनाते हुए एक अंक की बढ़त हासिल की। इटली की टीम ने तीसरे चक्र में 40 का स्कोर बनाया और अपनी बढ़त दो अंकों (117-119) की कर दी। लेकिन ओजस और ज्योति ने बेहतरीन वापसी की और चौथे दौर में 40 का स्कोर बनाकर मुकाबले को शूट ऑफ तक खींच दिया जिसमें भारतीय जोड़ी के तीर केंद्र के अधिक करीब रहे और इस आधार पर उसने फाइनल में जगह बनाई।

लेकिन ओलंपिक में शामिल रिकर्व स्पर्धा में भारत को निराशा हाथ लगी। धीरज बोम्मदेवरा और सिमरनजीत कौर की पांचवीं वरीयता प्राप्त रिकर्व जोड़ी अपने पहले मैच में इंडोनेशिया से 2-6 (39-35, 37-39, 37-38, 34-35) से हार गई। अपनी रैंकिंग के आधार पर बाई हासिल करके दूसरे दौर (प्री क्वार्टर फाइनल) में जगह बनाने वाले भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के खिलाफ शुरू में 2-0 से आगे थी लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकी और अपने से कम रैंकिंग वाली टीम से हार गई।

## मेदवेदेव टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में, अब मुकाबला सिटसिपास से

रोम। दानिल मेदवेदेव ने क्ले कोर्ट पर अपने खेल में सुधार जारी रखते हुए इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका मुकाबला स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। विश्व में तीसरी रैंकिंग के रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने जर्मन क्वालीफायर यानिक हैनफमैन को 6-2, 6-2 से पराजित किया। इससे उन्होंने 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन की पुख्ता तैयारियों का सबूत भी पेश किया जहां वह 2021 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। सिटसिपास ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में बोर्ना कॉरिच को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन में इस बार 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हिस्सा नहीं लेंगे जिससे किसी ने चैंपियन के लिए रास्ता खुल गया है।

## क्लासेन आईपीएल में शतक लगाने वाले सातवें बल्लेबाज व पांचवे दक्षिण अफीकी

हैदराबाद। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ शानदार शतक लगाया। इसी के साथ ही क्लासेन इस लीग में शतक लगाने वाले सातवें बल्लेबाजी बन ये हैं। हेनरिक ने 51 गेंदों पर 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से 104 रन बनाए। हेनरिक के इस शतक से हैदराबाद ने एक अच्छा स्कोर जरुर बना लिया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस सत्र में हैनरिक से पहले शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार वैंकटेश अय्यर प्रभसिमरन सिंह और हैरी ब्रूक ने शतक लगाये हैं। वहीं आरसीबी की ओर से विराट कोहली ने शतक लगाया। इसी के साथ ही आईपीएल में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की तादाद आठ हो गयी है। क्लासेन दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल में शतक लगाने वाले 5वें बल्लेबाज हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस लीग में शतक लगान वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर एबी डीविलियर्स हैं, दूसरे नंबर पर हाशिम अमला जबकि तीसरे नंबर पर क्विंटन डीकॉक और चौथे नंबर पर डेविड मिलर हैं। वहीं इस सत्र में आरसीबी की ओर से खेल रहे डुप्लेसिस ने सत्र का आठवां अर्धशतक लगाया। इसी के साथ ही वह ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे हैं।

## रहाणे के बाद ईशांत की हो सकती है भारतीय टीम में वापसी

नई दिल्ली। आईपीएल में शानदार गेंदबाजी कर सबसे ध्यान खींचने वाले अनुभवी गेंदबाज ईशांत शर्मा पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। जिस प्रकार बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। उसी प्रकार अब ईशांत को भी टेस्ट टीम में जगह मिलने की उम्मीद है। ईशांत ने पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पिछले दोनों ही मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने दोनों ही मैच में टीम के कप्तान शिखर धवन को आउट किया तो 2-2 विकेट लिए। वहीं धर्मशाला में खेले गए मैच में तो ईशांत ने आखिरी ओवर में टीम को जीत दिलाई। इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ भी उन्होंने अंतिम ओवर में टीम को 5 रन से जीत दिलाई थी। ईशांत की पिछले कुछ समय में चयनकर्ताओं ने अनदेखी की। ऐसे में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन से उन्होंने उनके संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। ऐस में अब वह 34 वर्ष की उम्र में वह टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं क्योंकि उनकी गेंदों में अभी भी पैनापन है। आईपीएल के इस सत्र में उन्हें अन्य गेंदबाजों की तुलना में अधिक सफलता मिली। उन्होंने 8 मैचों में 10 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनकी इकॉनमी 8.24 रही है यह 19 विकेट लेने वाले चेन्नई के तुषार देशपांडे 9.79 और अर्शदीप सिंह 9.67 से कहीं बेहतर है।

## पिछले डेढ साल की मेहनत का फल मिला : प्रणॉय

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ी एच.एस प्रणॉय का लक्ष्य अब विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना है। अभी वह विश्व में सातवें नंबर पर हैं। थॉमस कप जीतने के साथ से ही उन्होंने कई बड़े टूर्नामेंट भी जीत हैं। इस कारण वह यहां तक पहुंचे हैं। उनके लिए पिछला साल काफी अच्छा बीता और इस साल भी उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। इस खिलाड़ी के लिए पिछले कुछ साल कठिन रहे थे। इस खिलाड़ी ने कहा कि साल में 2021-22 में मेरी रैंकिंग 32-33 तक चली गई थी। वहां से शीर्ष-10 में आना काफी मुश्किल था। मैंने पिछले डेढ साल में काफी मेहनत की जिसका मुझे ये फल मिला। करियर में बहुत सारे मोड़ आये हुए हैं। पिछले साल थॉमस कप भी करियर का एक बड़ा टर्निंग अंक था। टीम के लिए भी और निजी तौर पर मेरे लिए भी। थॉमस कप जीतने के बाद काफी आत्मविश्वास मिला था।

# ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के निशाने पर रहेंगे विराट : पोंटिंग

**मुम्बई (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि अगले महीने भारत के खिलाफ वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में उनकी टीम के निशाने पर विराट कोहली रहेंगे। पोंटिंग के अनुसार उनके गेंदबाजों का प्रयास जल्दी से जल्दी विराट को पेवेलियन भेजना रहेगा। वे जानते हैं कि आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन से विराट का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह खतरनाक साबित हो सकते है। पोंटिंग ने कहा, ''एक महीने पहले बेंगलोर में आईपीएल मैच के दौरान मेरी विराट से बात हुई और उसने बताया कि वह महसूस कर रहा है कि अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया है।

कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में आईपीएल में अपना छठा शतक लगाया और अब तक 13 मैचों में वह पांच सौ से ऊपर रन बना चुके हैं। पोंटिंग ने कहा, मुझे भरोसा है कि ऑस्ट्रेलिया के सभी गेंदबाजों की नजरें उसके विकेट पर होगी। फाइनल मुकाबला भारत के शीर्षक्रम और आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच रहेगा और प्रशंसकों को बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट देखतने को मिलेगी । उन्होंने कहा कि इस मुकाबले में भारतीय टीम को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी चोटिल है। केएल राहुल नहीं है और बुमराह की कमी भी खलेगी हालांकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फॉर्म में है और उम्मीद है कि दोनों टीमें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश उतार सकेंगी

उन्होंने यह भी कहा कि ओवल की पिच घरेलू पिचों की तरह होने के कारण ऑस्ट्रेलिया को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''ओवल के हालात आस्ट्रेलिया के अनुकूल है और मुझे लगता है कि इसका फायदा आस्ट्रेलियाई टीम को मिलेगा। आम तौर पर समझा जाता है कि मुकाबला भारतीय स्पिनरों और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन ओवल की पिच शुरूआत में बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है और तीसरे चौथे दिन से स्पिनरों की भूमिका होती है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले भारत के करीब दर्जन भर खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं जबकि आस्ट्रेलिया के सिर्फ चार खिलाड़ी इस लीग में हैं । आईपीएल से तैयारियों पर असर के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि हर चीज को देखने के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा, ''इसे दो तरह से देखा जा सकता है। विराट आईपीएल में लगातार रन बना रहा है और उसका आत्मविश्वास बढा हुआ है जबकि आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इतना अधिक नहीं खेले हैं लेकिन मानसिक तैयारी के साथ उतरेंगे। उन्होंने हालांकि पिछले कुछ अर्से में रन नहीं बनाए हैं और ना ही विकेट लिए हैं।

पोंटिंग ने कहा, '' यहां खेल रहे भारतीय खिलाड़ी सिर्फ आईपीएल के बारे में ही नहीं

सोच रहे होंगे। निश्चित तौर पर उनके कार्यभार प्रबंधन का पूरा ख्याल रखा जा रहा होगा और अब प्लेआफ तथा फाइनल ही बचा है तो खिलाड़ियों के पास आराम का पर्याप्त समय है। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन इग्लैंड में हैं और हालात के अनुकूल ढल रहे हैं। सीन एबोट और माइकल नेसेर भी वहीं है ताकि किसी तेज गेंदबाज को चोट लगने पर वे तैयार रहें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सनी लियोनी कैनेडी के साथ
# कान 2023 के रेड कार्पेट पर डेब्यू के लिए तैयार

सनी लियोनी हाल ही में अपना जन्मदिन मीडिया के साथ मनाती दिखी थी और अपने दोस्तों और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। सनी ने अपने प्रशंसकों और फैशन आलोचकों को वर्षों से अपने ठाठ और स्टाइलिश कलेक्शन से प्रभावित किया है। यह फैशन आइकॉन अपने स्टाइल को बढ़ाने और कान्स 2023 के रेड कार्पेट पर चलने के लिए बेहद उत्साहित है। वह जल्द ही अपनी टीम के साथ 2023 में प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म कैनेडी के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए उड़ान भरेगी, जो निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस मर्डर मेलोडी का टीज़र हाल ही में रिलीज़ किया गया था और प्रशंसकों ने सनी लियोन के किरदार को पसंद किया है। कान 2023 में मिडनाइट स्क्रीनिंग के लिए सम्मानित जूरी द्वारा चुनी गई कैनेडी एकमात्र भारतीय फिल्म है। कई स्टाइल पुरस्कार जीतने के बाद, सनी लियोन ने एक लंबा सफर तय किया है और खुद को बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अभिनेत्रियों में से एक के रूप में स्थापित किया है। अपने शानदार लुक्स और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ, सनी निश्चित रूप से लोगों के दिल पर छाप छोड़ती हैं।

# अब डॉन जैसी फिल्में नहीं करना चाहते शाहरुख

कुछ दिनों पहले डॉन के प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने कहा था कि डॉन 3 पर काम चल रहा है और वक्त आने पर इस बारे में घोषणा की जाएगी, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक डॉन 3 तो बनेगी, लेकिन शाहरुख खान इसका हिस्सा नहीं होंगे। रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख खान ने डॉन के मेकर्स से कह दिया है कि वे तीसरी बार डॉन बनने के इच्छुक नहीं हैं। पठान की सफलता के बाद शाहरुख खान अलग किस्म की फिल्में करना चाहते हैं और डॉन उनकी इस कैटेगरी में फिट नहीं बैठती है। फरहान लंबे समय से डॉन 3 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। शाहरुख खान के साथ उन्होंने इस बारे में काफी बातचीत भी की। शाहरुख दो बार डॉन बन चुके हैं और तीसरी बार भी डॉन बनने के इच्छुक थे, लेकिन पठान के बाद उनका नजरिया बदल गया। फरहान ने उन्हें यह भी कहा कि वे चाहे तो अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और किसी नए स्टार को लेकर डॉन 3 बना सकते हैं, लेकिन शाहरुख इस पर भी राजी नहीं हुए। गौरतलब है कि 1978 में अमिताभ बच्चन को लेकर डॉन बनाई गई थी। 2005 में शाहरुख खान को लेकर इसे रीबूट किया गया। इसके बाद इस मूवी का सीक्वल भी शाहरुख को लेकर बनाया गया। सूत्रों के अनुसार फरहान अख्तर अब इसे फिर रीबूट करने का सोच रहे हैं और किसी नए स्टार को लेकर डॉन बनाएंगे।

# गौरी की गलत उम्र बताकर शरमाए शाहरुख

शाहरुख खान और गौरी खान ने अपनी कॉफी टेबल बुक माई लाइफ इन डिजाइन को लॉन्च किया। इस दौरान शाहरुख ने बताया कि कैसे उनकी पत्नी गौरी ने अपने दम पर अपना काम शुरू किया। एक्टर ने साझा किया कि भले ही उन्होंने उनकी मदद करने की पेशकश की हो, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार किया है। शाहरुख ने कहा, यह यंगस्टर्स से लेकर उन सभी लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है जो क्रिएटिव होने के अपने जीवन के सपने को पूरा करने से चूक जाते हैं। आप किसी भी उम्र में शुरू कर सकते हैं। मुझे लगता है कि गौरी ने 40 की उम्र में अपने बिजनेस की शुरूआत की थी। शाहरुख ने फिर गौरी की तरफ देखा और उसके बाद अपनी आइकॉनिक स्माइल के साथ कहा था- 40? ओह, केवल 40। वह अभी 37 साल की है। हमारे परिवार में, हमारी उम्र पीछे की ओर है। तो हां, 40 साल की उम्र में गौरी ने ऐसा करना शुरू कर दिया था, जब मैंने उनसे कहा भी था, सुनो, क्या तुम्हें कुछ मदद चाहिए? मेरे कुछ दोस्त हैं जिनसे हम बात कर सकते हैं? गौरी ने इंकार कर दिया। एक्टर ने कहा कि गौरी ने लोअर परेल में 10 फीट गुणा 20 फीट की शॉप से शुरूआत की। उन्होंने यह सब अपने दम पर किया और वह करती रहीं।

# मेघा चक्रवर्ती को अब बनना है जब वी मेट की गीत

बड़ी देवरानी, ख्वाबों की जमीन, पेशवा बाजीराव और कृष्णा चली लंदन जैसे शोज में काम करने वाली टीवी ऐक्ट्रेस भले बंगाल में जन्मीं और पली-बढ़ी, मगर अभिनेत्री बनने का सपना उन्हें मुंबई ले आया और अपने जुनून के बलबूते पर वे आज टीवी पर कई तरह के रोल कर चुकी हैं। मेघा इन दिनों चर्चा में हैं धारवाहिक इमली के लीड रोल को लेकर। हाल ही में वे इस शो के सीजन 2 से। उनसे एक बातचीत।

**इमली जैसे लोकप्रिय शो में कदम रखने का अनुभव कैसा रहा है? कोई यादगार पल?**

अब तक काफी दिलचस्प रहा है। यह बहुत अच्छा चल रहा है। उम्मीद है कि सीजन 2 दर्शकों को उसी तरह से पसंद आएगा जैसे सीजन वन। यह एक टीम एफर्ट है। सीजन टू में आपको काफी टर्न एंड ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। यदि आप सीजन 1 के बारे में बात कर रहे हैं तो कहानी अच्छी थी, और इमली और अन्य पात्रों ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया जिसने सीजन 1 को लोकप्रिय बना दिया। आगे भी ये सिलसिला जारी रहेगा। शूटिंग के दौरान कई यादगार पल रहे, मगर मुझे लगता है कि जब मैंने एक ट्रक चलाया जो बहुत दिलचस्प था। उस समय भी जब मैं शो में सरदार जी, बूढ़ी औरत जैसे अलग-अलग किरदार निभा रही थी। इसलिए ऐसे कई पल हैं जिन्हें मैं जीवन में हमेशा संजो कर रखूंगा क्योंकि यही वह समय था जब मैंने कुछ नया सीखा।

**बड़ी देवरानी, ख्वाबों की जमीन, पेशवा बाजीराव और कृष्णा चली लंदन जैसे शोज में काम करते हुए एक टेलिविजन आर्टिस्ट के रूप में टीवी इंडस्ट्री में आपको घंटों काम करना पड़ता है। इस तरीके को कैसे देखती हैं?**

यह सच है कि टेलिविजन में हमें 12-14 घंटे काम करना पड़ता है।बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि कई बार आप एक सीन में रोमांस कर रहे होते हैं, तो अगले सीन में रोना होता है। हमको स्क्रिप्ट सेट पर शूटिंग के समय दी जाती है। सेट पर एक अलग तरह का पेस और करंट होता है और यही हमें जुनून देता है। कई बार हमारे त्योहार और बर्थडे सेट पर मनाते हैं। मगर इस बार 3 मई को मेरी सालगिरह थी और मुझे छुट्टी मिल गई थी। मेरी खुशी सातवें आसमान पर थी। मैंने खूब धमाल किया। हालांकि इस छुट्टी के लिए मुझे पिछले दिन ओवर टाइम करना पड़ा था, मगर मुझे मलाल नहीं हुआ, क्योंकि बर्थडे के दिन मैंने दोस्तों के साथ बहुत ही यादगार वक्त बिताया।

**एक ऑडियंस के रूप में आपको क्या देखने में मजा आता है?**

मुझे मसाला कॉन्टेंट देखना पसंद है, एक दर्शक के रूप में ट्विस्ट और टर्न, कुछ भी नीरस नहीं है। हाई-स्पीड रोमांस, एक्शन और अच्छा संगीत होना चाहिए। मुझे नाटक, थ्रिलर और साइ-फाइ पसंदहै। मैं ऐसा कॉन्टेंट देखना पसंद करती हूं, जहां आप अपने दिमाग का इस्तेमाल कर सकें। जब मैं बोर होती हूं, तो मैं कॉमिडी देख सकती हूं और उसका लुत्फ उठा सकती हूं।

**क्या आपका कोई ड्रीम रोल है?**

जब वी मेट का करीना द्वारा निभाया गया गीत जैसी मजेदार लड़की से मिले या फिर आलिया भट्ट जैसा राजी का किरदार मिले, तो बायगॉड लाइफ बन जाए।

**आपको अपने आसपास क्या प्रेरित करता है?**

मुझे लगता है कि शाहरुख खान का हर इंटरव्यू मुझे प्रेरित करता है और मुझे उनका इंटरव्यू देखना बहुत पसंद है और मैं कड़ी मेहनत और अपने काम पर ध्यान देने में भी विश्वास करतीहूं। आप जरूर कामयाब होंगे, बशर्ते अपने काम से प्यार करें और उसका सम्मान दें।

**आप एक डांसर भी हैं, तो उस पैशन के बारे में बताएं?**

मैं बचपन से डांस कर रही हूं, कथक कर रही हूं। स्कूल में एक भी ऐसा फंक्शन नहीं था, जहां मैंने परफॉर्म नहीं किया हो। मुझे हर चीज में भाग लेने में मजा आता है, इसलिए मैं स्कूल में डांस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बहुत लोकप्रिय था। मेरी यात्रा वहीं से शुरू हुई, और मैंने अपनी 10वीं कक्षा तक हर प्रतियोगिता में भाग लेना जारी रखा। मेरे अंदर अभी भी डांसिंग का कीड़ा है। डांसिंग के अलावा मुझे नहीं पता कि बहुत से लोग इसके बारे में जानते हैं या नहीं, मैं क्राफ्ट, पेंटिंग में बहुत अच्छी हूं। मुझे इसे करना अच्छा लगता है। बोतल पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग और हस्तनिर्मित चीजें। मुझे ज्यादा समय नहीं मिलता है लेकिन जब भी समय मिलता है मैं करती हूं।

**आपकी भविष्य की प्लानिंग क्या हैं?**

कोई मास्टर प्लान नहीं है। मैं बस प्रवाह के साथ जा रही हूं। मैं रणनीति और मास्टर प्लान में विश्वास नहीं करती। मैं बस चीजों को सहज रूप से करने में विश्वास करती हूं। मेरा लक्ष्य किरदार को ईमानदारी से चित्रित करना और उसे समझना है। और जहां भी आवश्यक हो मैं प्रयास करती हूं और मैं एक्सप्रेशंस पर काफी मेहनत करती हूं, क्योंकि मैं कभी-कभी इसे दर्शा नहीं कर पाती हूं।

# रणबीर कपूर ने दिया आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडेय रिलेशन को किया कन्फर्म

बॉलीवुड में आज-कल कब किस स्टार की किसके साथ जोड़ी बन जाए यह पता लगाना बहुत ही मुश्किल का काम हैं। आए दिन किसी के डेटिंग की खबरे सुनने को मिलती है तो किसी की ब्रेकअप की खबरे। इसी बीच अब इंडस्ट्री में एक और लिंकअप की खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं। बता दे की ये लव बर्ड्स कोई और नहीं बल्कि आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडेय हैं।

दरअसल अभी तक तो इनकी डेटिंग की खबरे महज एक अफवाह माना जा रहा था। लेकिन अब खुद बॉलीवुड के एक सुपरस्टार ने इनके रिश्तें पर मुहर लगाते हुए दिख रहे हैं। अब आप सोच रहे होंगे की आखिर कौन है ये सुपरस्टार तो बता दे की ये कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के सवारियां कहे जाने वाले रणबीर कपूर है। जिन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में बातों ही बातों में वो राज खोल ही डाला जिसे लेकर सुगबुगाहट तो खूब है लेकिन चुप्पी कोई तोड़ ही नहीं रहा। वैसे तो सब ही जानते है की रणबीर कपूर काफी मजाकियां इंसान हैं। ऐसे में अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में भी रणबीर कुछ इसी अंदाज में दिखे। जहां एक्टर ने बातों-बातों में कई ऐसे राज खोल दिए है जिसका काफी समय से फैंस इंतजार कर रहे थे। दरअसल, इंटरव्यू में आदित्य रॉय कपूर को लेकर बात होती है जिसके बाद रणबीर कपूर कहते हैं कि वो बहुत ही अच्छा लड़का है और वो जानते हैं उस लड़की को जिसे वो पसंद करते हैं और उसका नाम लेटर से शुरू होता है। अब बातों ही बातों में इशारा तो रणबीर ने कर ही दिया है जो समझ सकें वो समझ लें जो ना समझें वो अनाड़ी हैं। आपको बता दें कि अनन्या और आदित्य के रिश्ते की सबस पहले पोल खोली थी करन जौहर ने जिनकी पार्टी में दोनों को स्पॉट किया गया था। कॉफी विद करन शो में होस्ट ने इसकी पोल खोली और तब से लेकर अब तक दोनों के रिश्ते को लेकर खूब बातें हो रही हैं। हालांकि इस गुमनाम रिश्तें पर अब तक ना तो आदित्य रॉय कपूर ने कभी चुप्पी तोड़ी है, ना ही अनन्या पांडेय ने कभी भी इस बात का हिंट दिया हैं।

# नेहा जोशी ने दूसरी मां में यशोदा के किरदार पर की बात

टेलीविजन अभिनेत्री नेहा जोशी, जो शो दूसरी मां में यशोदा का किरदार निभा रही हैं, ने कहा कि अपने किरदार के पति के अतीत का सामना करना और उसके बावजूद एक मां के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करना कुछ ऐसा है जो उन्हें अलग करता है। अभिनेत्री ने कहा- यशोदा का कैरेक्टर लोगों को खूब पसंद आया है और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि भूमिका चुनौतीपूर्ण है। इस कैरेक्टर में प्रामाणिकता लाना और इसमें भावनाओं के साथ न्याय करना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन साथ ही, यह काफी संतोषप्रद भी है। मातृ प्रेम और स्नेह की कोई सीमा नहीं है। हालांकि, यह जटिल हो सकता है, खासकर तब जब बच्चा आपके पति का नाजायज बेटा हो। उन्होंने आगे कहा- टेलीविजन पर मजबूत मां के कई चित्रण किए गए हैं, लेकिन जो यशोदा के कैरेक्टर को अलग करता है वो उसके पति के अतीत के साथ आने और कृष्ण के लिए अपने ही परिवार और समाज के खिलाफ खड़े होने और उनके बीच संतुलन बनाने की यात्रा है।

# अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी प्रभास की सालार

बाहुबली के बाद हिन्दी भाषी दर्शकों में ख्यात हुए अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी आने वाली दो फिल्मों को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। प्रभास की इन दो फिल्मों पर निर्माताओं के 1000 करोड़ दांव पर लगे हुए हैं। निर्माताओं को पूरी उम्मीद है कि उनकी यह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कारोबार करते हुए न सिर्फ 1000 करोड़ की रिकवरी करेंगी अपितु उनको अच्छी कमाई भी देंगी। इन दो फिल्मों में से एक है आदिपुरुष जिसका निर्माण टी सीरीज के भूषण कुमार ने 600 करोड़ की भारी रकम में किया है। यह फिल्म इस वर्ष 16 जून को प्रदर्शित होने वाली है। इसके प्रदर्शन की उल्टी गिनती आज से शुरू हो गई है। वहीं दूसरी ओर प्रभास की चर्चा उनकी दूसरी फिल्म सालार को लेकर भी हो रही है, जिसे केजीएफ सीरीज के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया है। प्रशांत नील केजीएफ के समय से ही ख्यातनाम निर्देशक हो चुके हैं। सालार से उनकी बारे में बनी यह धारणा भी टूटेगी कि केजीएफ की सफलता यश के बलबूते पर थी, निर्देशक के बूते पर नहीं। कहने वालों का कहना है कि यश जिस अंदाज में 80 के दशक के एंग्रीमैन की छवि का परदे पर पुनर्जीवित किया वहीं दर्शकों को भा गया, नतीजा फिल्म ने 1200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया। सालार में प्रभास का किरदार भी कुछ ऐसा ही है। इस फिल्म का निर्माण होम्बेल फिल्म्स कर रहा है जिसने इस पर 400 करोड़ का बजट दांव पर लगा रखा है। सालार को लेकर कहा जा रहा था कि यह फिल्म अपनी तय तारीख पर सिनेमाघरों में नहीं पहुँचेगी। इसमें बदलाव होगा। लेकिन अब जो समाचार गलियारों में बह रहे हैं उनका कहना है कि प्रभास की फिल्म सालार अपनी तय तिथि 28 सितम्बर 2023 को ही सिनेमाघरों में आएगी। सालार में प्रभास के साथ श्रुति हासन नजर आएंगी, वहीं खलनायक के तौर पर उनके सामने जगपति बाबू होंगे जो हाल ही में सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे।

## इमरान की पहली पत्नी ने एलन मस्क से की अपने बेटों के फर्जी एकाउंट की शिकायत

लंदन । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान की पहली बीवी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने ट्विटर के निवर्तमान सीईओ एलन मस्क से माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर उनके बेटे के नाम पर फर्जी अकाउंट्स की शिकायत की। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में एक राजनीतिक एजेंडे के तहत यह एकाउंट्स बनाए गए हैं। गुरुवार देर रात एक ट्वीट में 49 वर्षीय गोल्डस्मिथ ने कहा कि धन्यवाद एलन मस्क..मेरे बच्चे के नाम से फर्जी एकाउंट्स पाकिस्तान में राजनीतिक एजेंडे के लिए धोखेबाजों द्वारा बनाए गए हैं। मेरे बच्चे सोशल मीडिया पर नहीं हैं और उनका कोई प्लान भी नहीं है। गोल्डस्मिथ और खान की शादी मई 1995 में हुई थी और नौ साल बाद जून 2004 में उनका तलाक हो गया। गोल्डस्मिथ और खान के इस शादी से दो बेटे सुलेमान ईसा जिसका जन्म 1996 में हुआ और कासिम का जन्म 1999 में हुआ।

## 7.7 तीव्रता का भूकंप आने से वनुआतू में सुनामी का खतरा

### -अन्य प्रशांत द्वीपीय देशों में उठ सकती हैं एक फीट ऊंची लहरें

वेलिंगटन । सुदूर प्रशांत क्षेत्र में शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिससे वनुआतू के पास सुनामी का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि लॉयल्टी द्वीप समूह के पास आये भूकंप का केंद्र जमीन से 37 किलोमीटर गहराई में था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि वनुआतु में ज्वार से एक मीटर (3 फुट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपात प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि वह सुनामी के खतरे का आकलन कर रही है। केंद्र ने कहा कि फिजी, किरीबाती, पापुआ न्यू गिनी, गुआम और अन्य प्रशांत द्वीपीय देशों में एक फीट ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

## बलूचिस्तान में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख के काफिले पर आत्मघाती हमला, धमाके में एक की मौत

बलूचिस्तान के झोब में जमात-ए-इस्लामी प्रमुख सिराज उल हक के काफिले के पास आत्मघाती हमला किया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि हमले में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। हालांकि सिराज उल हक सुरक्षित हैं। जमात-ए-इस्लामी (जेआई) ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा कि उसका प्रमुख सुरक्षित है और हमलावर मारा गया है। जेआई अमीर सिराज आज क्वेटा पहुंचे और उन्हें झोब से आगे जाना था जहां आज उनकी राजनीतिक सभा है। जब वह झोब में प्रवेश कर रहे थे और लोग उनका स्वागत कर रहे थे, एक व्यक्ति आया और खुद को उड़ा लिया, पार्टी प्रवक्ता फैसल शरीफ ने एक वीडियो संदेश में कहा, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

## म्यांमा में चक्रवात मोखा ने ले ली 54 लोगों की जान

बैंकॉक । पिछले सप्ताहांत आए विनाशकारी चक्रवात मोखा से म्यांमा में कम से कम 54 लोगों की मौत हो चुकी है और 1.85 लाख से अधिक इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। मीडिया के अनुसार चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में संचार ढांचे को पहुंचे नुकसान और सूचनाओं के प्रवाह पर सैन्य शासन द्वारा लगाए प्रतिबंधों के कारण मोखा से म्यांमा में जान-माल की वास्तविक हानि का पता नहीं चल पाया है। पिछले रविवार को बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात मोखा ने बांग्लादेश और पश्चिमी म्यांमा के रखाइन प्रांत में दस्तक दी थी, जिससे क्षेत्र में तेज हवाएं चलने के साथ ही भारी बारिश हुई थी। रखाइन प्रांत की सितवे बस्ती के पास टकराए इस चक्रवात के कारण इलाके में लगभग 209 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चली थीं। हालांकि, सोमवार को देश के भीतरी हिस्सों की तरफ बढ़ते समय यह कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय चक्रवात में तब्दील हो गया। मानवीय मामलों के समन्वय से जुड़े संयुक्त राष्ट्र (संरा) कार्यालय ने कहा कि पूरे रखाइन प्रांत में बड़े पैमाने पर घर और बुनियादी ढांचा तबाह हो गए हैं। उसने कहा, क्षेत्र में आश्रय, स्वच्छ पानी, खाद्य सहायता और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की तत्काल जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों के प्रसार और बारूदी सुरंगों को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। रखाइन प्रांत म्यांमा में दशकों से जारी जातीय संघर्ष का केंद्र है। संरा कार्यालय ने कहा चक्रवात का असर देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में भी महसूस किया गया, जहां बड़ी संख्या में घर या तो ढह गए या बह गए। तेज हवाओं और बारिश ने काचिन प्रांत में विस्थापितों के शिविरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया।

## पाकिस्तानी पीएम व ईरान के राष्ट्रपति ने सीमा बाजार का किया उद्घाटन

### -पाक व ईरान के बीच हुए एक करार के तहत बनाए जाएंगे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान और ईरान के संबंधों में सुधार आने के बीच दोनों देशों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को पहले सीमा बाजार का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह बाजार पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम ब्लूचिस्तान प्रांत के सुदूर पाशिन गांव में स्थित है। यह उन छह बाजारों में एक है, जो 2012 में पाकिस्तान एवं ईरान के बीच हुए एक करार के तहत बनाये जाने हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने बिजली पारेषण लाइन का भी उद्घाटन किया, जिससे पाकिस्तान के कुछ सुदूर क्षेत्रों को ईरान निर्मित बिजली मिलेगी। टेलीविजन पर प्रसारित खबर में शरीफ रईसी के बगल में बैठे नजर आये। शरीफ ने रईसी को आश्वासन दिया कि पाकिस्तान ईरानी सीमा पर सुरक्षा में सुधार कायथासंभव प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर राजी हुए। उन्होंने रईसी को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आने का निमंत्रण दिया।

## आने वाले चार साल में 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ेगा दुनिया का तापमान

पेरिस । सिर्फ चार साल में यानी 2027 से पहले, पूरी दुनिया का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। ये डरावना खुलासा विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने किया है। इसका मतलब ये नहीं है कि दुनिया का तापमान 2015 के पेरिस एग्रीमेंट के स्तर से ऊपर चला जाएगा। ये पक्का है, इतनी की लोगों की हालत खराब होने वाली है। पूरी दुनिया जलेगी। डब्ल्यूएमओ ने यह खुलासा 30 साल के औसत वैश्विक तापमान के आधार पर किया है। संगठन ने कहा कि 2027 तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसकी 66 फीसदी संभावना है। रिपोर्ट में कहा कि यह भी संभव है कि हम अगले चार-पांच सालों में गर्मी का ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्तर पहुंच जाए। डेढ़ डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान चला जाए। पिछले साल आई रिपोर्ट में इसकी आशंका 50-50 थी। लेकिन दुबारा की गई स्टडी के मुताबिक अब यह 66 फीसदी है। डब्ल्यूएमओ ने एक और खतरनाक चेतावनी जारी की है। जिसमें कहा है कि अगले हर पांच साल में एक साल रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ने के 98 फीसदी आशंका है। यह प्रक्रिया साल 2016 से शुरू हो चुकी है। यह एक बड़े स्तर का जलवायु संकट है, जिसे ज्यादातर देश गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अगर अस्थायी तौर पर भी डेढ़ डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ता है, तब भी पूरी दुनिया को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना होगा। बेमौसम बारिश, अचानक बाढ़, सूखा, धूल भरी आंधी, समुद्री जलस्तर का बढ़ना. समुद्री तूफानों का आना। मतलब ये है कि पूरी दुनिया ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को रोकने में नाकाम रही। जब तक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम नहीं होता, हम बढ़ती गर्मी को रोक नहीं पाएंगे। इसका असर अलग-अलग देशों के हर मौसम पर पड़ेगा। भारत की हालत इसलिए खराब होगी क्योंकि अल-नीनो के साथ जब इंसानों द्वारा किया जा रहा जलवायु परिवर्तन मिलेगा तब स्थितियां और भी बद्तर होगी। ज्यादा गर्मी बढ़ने से अल-नीनो की स्थिति भी पैदा होगी। इसकी वजह से ट्रॉपिकल प्रशांत महासागर की ऊपरी सतह गर्म होगी। इससे वायुमंडल भी गर्म होगा। जब वायुमंडल गर्म होगा तो पूरी दुनिया का तापमान बढ़ेगा। अगले कुछ महीनों में पूरी दुनिया में अल-नीनो का असर देखने को मिलने वाला है। अल-नीनो की प्रक्रिया आमतौर पर होने वाले जलवायु परिवर्तन से अलग है। लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से आने वाला अल-नीनो खतरनाक हो सकता है। इसकी वजह से उत्तरी अमेरिका का तापमान बढ़ेगा। दक्षिणी अमेरिका में सूखा आ सकता है।

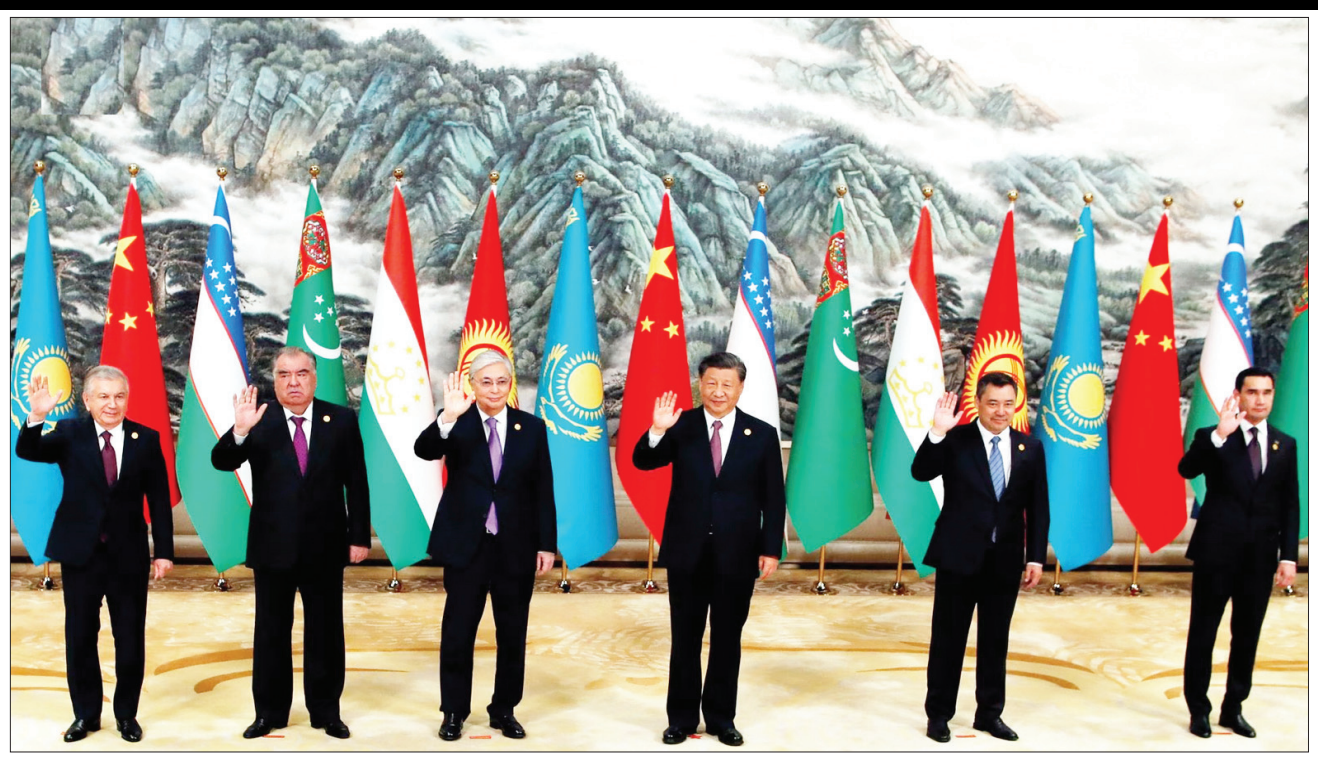

जियान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग , कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कैसम जोमार्ट , किरगिस्तान के राष्ट्रपति सेडर और जैपारोव व अन्य नेता चीन और मध्य एशिया सम्मेलन में एकसाथ नजर आये।

## मोदी की राजकीय अमेरिका यात्रा गहन संबंधों को रेखांकित करने का अवसर : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक राजकीय अमेरिका यात्रा दोनों नेताओं के लिए दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच गहन संबंधों को रेखांकित करने का बड़ा अवसर होगी। अमेरिकी विदेश विभाग की एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी पत्नी तथा प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर अगले महीने राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी पत्नी मोदी के सम्मान में 22 जून को रात्रिभोज देंगे। दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के ब्यूरो में भारत के लिए उप सहायक विदेश मंत्री नैन्सी इज्जो जैक्सन ने कहा कि हम जून में वाशिंगटन में प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करने के लिए वाकई उत्साहित हैं। यह हमारे दोनों नेताओं के लिए दोनों देशों तथा हमारी जनता के बीच गहन संबंधों को रेखांकित करने का बड़ा अवसर होगा। उन्होंने कहा कि वे हमारे बढ़ते व्यापार, निवेश और रक्षा साझेदारी की समीक्षा करेंगे। हमें यह भी उम्मीद है कि वे सहयोग के नये क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे जिनमें हम स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी तथा खाद्य सुरक्षा जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

# जब हमारे देश एक साथ खड़े होते हैं, तो हम मजबूत खड़े होते हैं: राष्ट्रपति जो बाइडेन

### -हिरोशिमा में जी-7 समूह के शिखर सम्मेलन से पूर्व बाइडेन ने जापान के किशिदा से की चर्चा

**टोक्यो (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बृहस्पतिवार को जापान पहुंचे और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा का अभिवादन करते हुए कहा कि जब हमारे देश एक साथ खड़े होते हैं, तो हम मजबूत खड़े होते हैं, यह संकेत है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा गठबंधन कैसे बढ़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी टिप्पणी की शुरुआत में इस बात का उल्लेख किया कि किशिदा ने जनवरी में वाशिंगटन के दौरे के दौरान कहा था कि दुनिया ने हाल के इतिहास में सबसे जटिल सुरक्षा वातावरणों में से एक का सामना किया। बाइडन ने कहा कि मैं इस पर आपसे सर्वथा सहमत हूं।

किशिदा ने शुक्रवार से शुरू होने वाले 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी-7) शिखर सम्मेलन से पहले अपनी बैठक में बाइडन को अमेरिका के साथ जापान के संबंधों के बारे में बताते हुए कहा कि हम बहुत स्वागत करते हैं कि सहयोग बहुत तेजी से बढ़ा है। हिरोशिमा किशिदा का पैतृक शहर है और यहीं जी-7 शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यही वह स्थान है, जहां 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने परमाणु बम गिराया था और अब इसी स्थान से अमेरिका, जापान तथा सहयोगी देश यूक्रेन पर रूस के हमले पर रणनीतिक विचार विमर्श करेंगे।

कर्ज की सीमा कैसे बढ़े इसे लेकर देश में विभाजित राय के प्रबंधन की कोशिश में जुटे बाइडन विश्व मंच पर पेश हो रहे हैं। उन्होंने एशिया की आठ दिवसीय यात्रा को छोटा करने का विकल्प चुना, ताकि वह जून में संभावित कर अदायगी चूक से बचने की कोशिश करने के लिए वाशिंगटन लौट सकें। अमेरिका कर्ज के भुगतान में चूकता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसका विपरीत असर पैदा हो सकता है। यह दर्शाता है कि कैसे अमेरिका की अंदरुनी राजनीति वैश्विक मंच तक फैल सकती है।

'एयरफोर्स वन' में सवार अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि रूसी आक्रमण का मुद्दा अहम है और इस पर शिखर सम्मेलन में बातचीत प्रमुखता से होगी। उन्होंने कहा कि नेता मॉस्को के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों को मजबूत करने के लिए युद्ध के मैदान में स्थिति और खामियों को दुरुस्त करने पर चर्चा करेंगे। सुलिवन ने कहा कि बाइडन और किशिदा, पिछले दो वर्षों के दौरान सैन्य, आर्थिक और जलवायु मामलों पर समन्वय को मजबूत करने के साथ इस दौरान अग्रोन्मुखी रिश्ते को और आगे ले जाने का लक्ष्य रख रहे हैं।

## हे राम हमें परमाणु हथियारों से बचाओ... जी-7 समिट में पहुंचा जापानी बौद्ध भिक्षु हिंदी में लिखकर दुनिया से लगाई गुहार

**टोक्यो (एजेंसी)।** जापान के हिरोशिमा शहर में शुक्रवार को 19 से 21 मई के बीच जी-7 देशों का सम्मेलन हो रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो रहे हैं। जापान की तरफ से हिरोशिमा में जी-7 की बैठक कराने का एक खास मकसद यह है कि इस बैठक के जरिये विश्व में शांति और परमाणु निरस्त्रीकरण का संदेश जाए। जी-7 की बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिमी देश रूस को लगातार परमाणु हथियार का इस्तेमाल न करने के लिए चेता रहे हैं।

सम्मेलन के बीच बैठक से इतर एक बौद्ध भिक्षु ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा है। जापान के एक बौद्ध भिक्षु तोयोशिगे सेकिगुची, हिरोशिमा में जी-7 अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर के बाहर एक तख्ती के साथ खड़े हैं, जिसमें विश्व नेताओं से विश्व शांति और परमाणु हथियारों के उपयोग को दूर करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने अपने हाथ में एक तख्ती ले रखी है, जिस पर हिंदी में लिखा है, 'हे राम परमाणु हथियारों को खत्म करने की अंतरराष्ट्रीय संधि में शामिल होकर हमें नर्क से बचाएं'।

बौद्ध भिक्षु ने मीडिया से कहा कि 1945 में हिरोशिमा में एक परमाणु बम गिराया गया था, इतने सारे लोग मारे गए थे। हम और त्रासदी नहीं चाहते हैं। शांति से रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने एक बाजा भी ले रखा है, जिसे बजाकर वो अपनी तरफ लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। अपने तख्ती पर उन्होंने भारत सहित कई देशों के झंडे भी लगा रखे हैं।

उल्लेखनीय है कि जी-7 प्रमुख औद्योगिक देशों का संगठन है, इसमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं. इसमें यूरोपियन यूनियन के भी दो प्रतिनिधि शामिल होंगे। परंपरा के मुताबिक जी-7 के गैर सदस्य देशों के नेता और अंतरराष्ट्रीय संगठन भी सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं। इस बार जी-7 के बाहर के देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कोमोरोस, कुक आइलैंड्स, भारत, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और वियतनाम के नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

## ग्रीन कार्ड पाने भारतीयों को अमेरिका में करना पड़ रहा लंबा इंतजार

### - हर देश के लिए ग्रीन कार्ड की निर्धारित कोटा 7 फीसदी, जिसे संसद ही बदल सकती है : डगलस रैंड

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका में ग्रीन कार्ड पाने के लिए भारतीयों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत, चीन, मैक्सिको एवं फिलीपींस के लोगों के लिए ग्रीन कार्ड के लंबे और कष्टदायक इंतजार की वजह इसके आवंटन में हर देश के लिए निर्धारित कोटा व्यवस्था है, जिसे संसद ही बदल सकती है। ग्रीन कार्ड को आधिकारिक रूप से स्थायी निवास कार्ड के रूप में जाना जाता है। ग्रीन कार्ड अमेरिका में आव्रजकों को जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है, जो इस बात का प्रमाण है कि ग्रीन कार्ड धारक को स्थायी रूप से देश में रहने की अनुमति दी गई है। आव्रजन कानून के तहत हर साल तकरीबन 1 लाख 40 हजार रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड जारी किए जाते हैं।

हालांकि, इनमें से हर साल किसी एक देश को केवल सात प्रतिशत ग्रीन कार्ड मिल सकते हैं। अमेरिका नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं के निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार डगलस रैंड ने कहा कि अमेरिका में स्थायी रूप से रह रहे किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को दिए जाने वाले ग्रीन कार्ड पर वार्षिक सीमा पूरी दुनिया के लिए 2 लाख 26 हजार है, जबकि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की वार्षिक सीमा 1 लाख 40 हजार है। उन्होंने वीजा तथा दूतावास संबंधी मुद्दों पर ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि परिवार के सदस्यों को दिए जाने वाले और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड पर हर देश के लिए सालाना सात प्रतिशत का कोटा है।

रैंड ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इसलिए भारत, चीन, मैक्सिको और फिलीपींस के लोगों को अन्य देशों के लोगों के मुकाबले लंबा इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से केवल अमेरिकी संसद ही इस वार्षिक सीमा में बदलाव कर सकती है। हमारा काम यह है कि जब ये ग्रीन कार्ड उपलब्ध हो, तो हम यह सुनिश्चित करे कि हर साल इनका इस्तेमाल किया जाए।

# इमरान खान के घर की तलाशी लेंगे 400 पुलिसवाले, मिला सर्च वारंट

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के खिलाफ कार्रवाई जारी है। उनके घर के बाहर करीब 400 पुलिस के जवान तैनात हैं। जियो न्यूज ने बताया कि पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आवास पर तलाशी लेने के लिए अदालत से वारंट प्राप्त किया। पंजाब सरकार ने जमान पार्क में तलाशी अभियान चलाने से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए एक टीम भेजने का फैसला किया था। पुलिस अधीक्षक रैंक का एक अधिकारी पार्टी का नेतृत्व करेगा जिसमें महिला कर्मी भी शामिल होंगी। कमिश्नर लाहौर डिवीजन सर्च टीम के साथ रहेंगे।

पंजाब सरकार ने बुधवार को दावा किया था कि %30-40 आतंकवादी इमरान खान के आवास के अंदर छिपे हुए हैं% और पीटीआई को इन बदमाशों को सौंपने या कार्रवाई का सामना करने के लिए 24 घंटे का समय दिया था। हालांकि, गुरुवार को समय सीमा समाप्त होने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। बाद में पंजाब के सूचना मंत्री आमिर मीर ने कहा कि कानून लागू करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इमरान खान की अनुमति के बाद और कैमरों के सामने उनके आवास पर तलाशी अभियान चलाएंगे।

अधिकारियों ने शुक्रवार को छह और आतंकवादियों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के ज़मान पार्क निवास से भागने का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया है। कुल गिरफ्तारियों की संख्या 14 तक चली गई। लाहौर कैपिटल सिटी पुलिस अधिकारी (सीसीपीओ) बिलाल सद्दीक काम्याना ने दावा किया।

## जी 7 शिखर सम्मेलन : रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार, पीएम मोदी और जेलेस्की करेंगे आमने-सामने की मुलाकात

**स्टॉकहोम (एजेंसी)।** भारत के प्रधानमंत्री अपने 6 दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए हैं। जहां वो 25 देशों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अब पीएम मोदी की विदेशी नेताओं से मुलाकात के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की जापान के हिरोशिमा में मिलने वाले हैं। पिछले साल रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से यह बैठक दोनों के बीच पहली व्यक्तिगत बातचीत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान में हैं। इस अवसर का उपयोग विभिन्न विश्व नेताओं के साथ जुड़ने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए करेंगे।

चर्चा के दौरान, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से यूक्रेन में मौजूदा स्थिति को संबोधित करने और आगे सहयोग के लिए रास्ते तलाशने की उम्मीद है। वार्ता संभावित रूप से तनाव को कम करने और क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए राजनयिक समाधान खोजने पर केंद्रित होगी। पिछले साल, भारतीय पीएम मोदी ने समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। चल रहे संघर्ष के समाधान पर जोर देते हुए पीएम ने उनसे कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। जिसकी सभी देशों ने सराहना की थी।

# क्या है 'यरुशलम दिवस', जिससे इजरायल-फिलिस्तीन के बीच बन जाती है टकराव की स्थिति

**(एजेंसी)।** पूर्वी यरुशलम के पुराने शहर में गुरुवार को दूर-दराज़ से आए इज़राइलियों द्वारा एक तथाकथित 'फ्लैग मार्च' का आयोजन किया गया। इस आयोजन के जवाब में सैकड़ों फ़िलिस्तीनियों ने गाजा में एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। सैकड़ों फ़िलिस्तीनियों ने उस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। गाजा में हुए इस विरोध प्रदर्शन में यरुशलम में हुए 'फ्लैग मार्च' की निंदा की गई और अल-अक्सा मस्जिद परिसर पर इजरायली छापे को रोकने की मांग की।

**यरुशलम दिवस क्या है?**

1967 के युद्ध में इज़राइल ने कई अरब सेनाओं का मुकाबला किया, जिसके दौरान उसने पूर्वी यरुशलम सहित क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। इज़राइल ने तब से पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया है। एक ऐसे कदम से जिसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली है और पूरे शहर को अपनी शाश्वत और अविभाजित राजधानी मानता है। फिलिस्तीनी पूर्वी यरुशलम को भविष्य के राज्य की राजधानी बनाना चाहते हैं। यरुशलम दिवस की घटनाओं का समापन एक ध्वज-लहराते मार्च के साथ होता है जो ईसाइयों, यहूदियों और मुसलमानों के पवित्र स्थलों के घर, दीवार वाले पुराने शहर में प्रवेश करने से पहले यरुशलम शहर से होकर गुजरता है। हाल के वर्षों में परेड यहूदी राष्ट्रवादियों के लिए शक्ति का प्रदर्शन बन गया है।

**'यरुशलम दिवस' क्या है और यह इजरायल-फिलिस्तीनी फ्लैशपॉइंट क्यों है?:** 5 जून 1967 को अरब इजरायल के बीच छह दिनों का युद्ध हुआ था जिसके बाद उसने पूर्वी जेरुसलम पर कब्जा कर लिया था। इस युद्ध के लिए इजरायल ने पहले से काफी तैयारी की थी। वो परमाणु हथियार हासिल करने के करीब पहुंच गया था और उसने फ्रांस से विमान और ब्रिटेन से टैंक हासिल किए थे। युद्ध के दिनों में इजरायल ने मिस्र, जॉर्डन और सीरिया की सेनाओं को फखाड़ फेंका। उसने मिस्र से गाजा पट्टी और सिनाई, सीरिया से गोलन पहाड़ियों और जॉर्डन से वेस्ट बैंक और पूर्वी जेरुसलम के इलाके छीन लिए। इसी दिन की याद में यहूदी हर साल यरुशलम दिवस के तौर पर मनाते हैं।

**परेड से फ़िलिस्तीनियों के साथ क्यों बढ़ जाता है तनाव:** भारी पुलिस वाला जुलूस पुराने शहर की संकरी गलियों से होकर गुजरता है, जिसमें दमिश्क गेट और मुस्लिम क्वार्टर जैसे फिलिस्तीनियों के बीच लोकप्रिय क्षेत्र शामिल हैं। इसकी वजह से कुछ अरब दुकानदारों को अपना दुकान बंद करने पर मजबूर होना पड़ता है। संसद के सदस्यों सहित यहूदी तीर्थयात्रियों के बड़े समूहों द्वारा अल-अक्सा मस्जिद परिसर में तनाव का एक अन्य स्रोत दौरा किया गया है। अल-अक्सा इस्लाम में तीसरा सबसे पवित्र स्थल है जिसे यहूदी टेंपल माउंट के रूप में मानते हैं, जो दो प्राचीन मंदिरों का अवशेष है।

**इस घटना ने हाल के वर्षों में हिंसा को कैसे जन्म दिया है?:** 2021 मार्च के दौरान इस्लामवादी हमास समूह ने इज़राइल में रॉकेट दागे, जिससे 11 दिनों के युद्ध में मदद मिली, जिसमें गाजा में कम से कम 250 फिलिस्तीनियों और इज़राइल में 13 लोगों की मौत हो गई। गाजा को नियंत्रित करने वाले हमासने हाल के वर्षों में खुद को यरूशलेम के फिलिस्तीनियों और मुस्लिम पवित्र स्थलों के रक्षक के रूप में पेश किया है। हमास ने दक्षिणपंथी मार्च अल-अक्सा मस्जिद परिसर में यथास्थिति का उल्लंघन करने या फ़िलिस्तीनियों पर हमला करने की सूरत में विस्फोट की चेतावनी दी। इस वर्ष, फिलिस्तीनियों ने इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा में अपने स्वयं के फ्लैग मार्च का भी आयोजन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बिहार में स्कूल में पढ़ने पर शिक्षकों से मांगी रंगदारी

### -जान जाने के डर से शिक्षकों को स्कूल बंद किया

भागलपुर । बिहार में कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवालों के बीच भागलपुर से ऐसी खबर आई है, जो कि आपकों हैरान कर देगी। यहां गुंडे सरकार से ही रंगदारी की मांग कर रहे हैं। वार्ड 8 स्थित मुनीराम खेतान सरकारी स्कूल में दंबगों की धमकी के चलते पढ़ाना बंद कर दिया है। शिक्षकों का कहना है कि एक बाहुबली और उसके लोग उनसे स्कूल में पढ़ाने के लिए रंगदारी मांग कर रहे हैं। बिना पैसे दिए स्कूल में घुसने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी मिल रही हैं। जान जाने के डर से शिक्षकों ने स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया है। इससे करीब 200 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर संकट मंडरा गया है। डीईओ ने स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यपक को सस्पेंड कर दिया है। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक मूसा ने आरोप लगाया कि स्थानीय बाहुबली विक्रांत कुमार उर्फ पूरन साह और उसके गुर्गों ने शिक्षकों को धमकी दी कि अगर उन्होंने स्कूल में प्रवेश करने की कोशिश की तब उन्हें बाहर फेंक दिया जाएगा। आरोपियों ने शिक्षकों से स्कूल चलाने के लिए रंगदारी के तौर पर नियमित रूप से पैसे देने की मांग की। स्कूल के शिक्षकों ने स्थानीय पुलिस से इस संबंध में शिकायत की, साथ ही शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों को सूचित किया। पंकज का कहना है कि इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने बताया कि स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक मूसा को निलंबित किया गया है। जो शिक्षक स्कूल नहीं आ रहे उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा बच्चों का अधिकार है। इसका उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि, प्रभारी प्रधानाध्यपक को अपने निलंबन के बारे में जानकारी नहीं मिली थी। शिक्षक ने कहा कि बाबा-बार मिल रही धमकियों से स्कूल चलाना संभव नहीं है। नाथनगर थाने के एसएचओ महताब आलम का कहना है कि हमें शिक्षकों से शिकायत मिली है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## फ्लाइट में आया शख्स को एंजायटी अटैक पत्नी को गला दबने लगा

मुंबई । नेवार्क से मुंबई आ रही एयर इंडिया फ्लाइट में सफर कर रहे एक शख्स ने पूरे सहयात्रियों को चिंता में डाल दिया। खबर है कि अचानक मुंबई का रहने वाला यह व्यक्ति चीखने चिल्लाने लगा। इतना ही नहीं शख्स अपनी पत्नी का गला दबाने की भी कोशिश की। हालांकि, प्लेन में ही मौजूद डॉक्टर की मदद से हालात पर काबू पाया गया। बाद में खुलासा हुआ कि कारोबारी को एंजायटी अटैक आ गया था। न्यू जर्सी से उड़ान भरने के महज तीन घंटे के बाद ही शख्स ने पायलट से फ्लाइट लैंड करने की मांग की। इसके बाद वह अचानक हिंसक हो गया और चिल्लाने लगा। क्रू मेंबर्स ने यात्रा कर रहे कुछ डॉक्टर्स की मदद से शख्स को शांत किया। उन्होंने एयर इंडिया से क्रू का सम्मान करने की अपील की है। इधर, एयर इंडिया ने भी उन्हें धन्यवाद किया है। एयरलाइन ने लिखा, हमें खुशी है कि हमारी टीम समर्पण के साथ यात्री का सहयोग कर सकी। हमारी क्रू को गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। आपने हमारे प्रयासों को पहचाना, इसके लिए हम आपका आभार व्यक्त करते हैं। प्रवीण बताते हैं कि 7-8 घंटों के बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बीच गुरुवार को फ्लाइट सही समय पर मुंबई में लैंड हुई।

## ट्रेन आगजनी मामला : बयान दर्ज करने आए शख्स फांसी के फंदे में लटका मिला

कोच्चि । केरल में हाल ही में ट्रेन में हुई आगजनी की घटना के एक गवाह का पिता शुक्रवार को कोच्चि में होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 45 वर्षीय मोहम्मद शफीक दिल्ली का रहने वाला था और वह अप्रैल में कोझिकोड में ट्रेन में हुई आगजनी की घटना के सिलसिले में बेटे के साथ अपने बयान दर्ज कराने के लिए 16 मई को केरल पहुंचा था। बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी हो गई थी और दोनों दिल्ली लौटने की योजना बना रहे थे। लेकिन, शफीक के बेटे ने शख्स को होटल के कमरे के बाथरूम में फांसी के फंदे से लटकता हुआ पाया। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अपनी जांच के सिलसिले में गवाहों को तलब किया था। दोनों गवाह 17 और 18 मई को एनआईए के समक्ष पेश हुए थे। गत दो अप्रैल की रात को आरोपी शाहरुख सैफी ने एक झगड़े के बाद अल्लप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन के कोझिकोड में इलाथुर के पास कोरापुझा पुल पर पहुंचने पर अपने साथी यात्रियों पर कथित रूप से पेट्रोल छिड़कर उन्हें जला दिया था। इस घटना में नौ लोग झुलस गए थे, जबकि एक बच्चे सहित तीन लोगों के शव पटरियों से बरामद हुए थे।

## प्रभात गुप्ता हत्याकांड में केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी बरी

लखनऊ । करीब 23 साल पहले हुए प्रभात गुप्ता हत्याकांड में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को बड़ी राहत मिल गई है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को अजय मिश्र टेनी को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। अजय मिश्र को बरी किए जाने के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट के फैसले पर प्रभात गुप्ता के भाई राजीव गुप्ता ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। विदित हो कि लखीमपुर खीरी के तिकुनिया थाना क्षेत्र में आठ जुलाई 2000 में प्रभात गुप्ता की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। प्रभात गुप्ता समाजवादी पार्टी के यूथ विंग के सदस्य व लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र नेता थे। दूसरी तरफ अजय मिश्र टेनी भाजपा से जुड़े थे। दोनों के बीच पंचायत चुनाव को लेकर पहले से ही रंजिश चल रही थी। घटना को लेकर दर्ज प्राथमिकी में तीन अन्य अभियुक्तों के साथ अजय मिश्र उर्फ टेनी को भी नामजद किया गया था। इस मामले में सुनवाई करते लखीमपुर खीरी की अदालत ने अजय मिश्र व अन्य आरोपियों को पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में वर्ष 2001 में बरी कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ वर्ष 2004 में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। इस मामले में हाईकोर्ट में तीन बार फैसला रिजर्व किया गया। पहली बार 12 मार्च 2018 को जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और दिनेश कुमार सिंह ने फैसला रिजर्व किया। दूसरी बार 10 नवंबर 2022 को जस्टिस रमेश सिन्हा और रेनु अग्रवाल ने फैसला रिजर्व किया था। तीसरी बार 21 फरवरी 2023 को जस्टिस अब्दू रहमान मसूदी और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा। शुक्रवार को जस्टिस अब्दू रहमान मसूदी और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। अजय मिश्र टेनी के बरी होने पर मृतक के भाई राजीव गुप्ता ने कहा कि वह हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

## साध्वी प्राची ने देहरादून में कहा : हिंदू बेटियों को बचाना उनका धर्म, चाहे जितने केस दर्ज कर ले कांग्रेस सरकार

देहरादून। जयपुर में दिए विवादित बयान पर साध्वी प्राची ने अब सफाई दी है। उन्होंने कहा कि हिंदू बेटियों को बचाना उनका धर्म है। अगर गहलोत सरकार या किसी राज्य की कांग्रेस सरकार इस लेकर उन पर जो भी मुकदमा करना चाहे कर सकती है। शुक्रवार को देहरादून पहुंचीं साध्वी प्राची ने यह बात कही। दरअसल, जयपुर में द केरल स्टोरी फिल्म देखने के बाद साध्वी प्राची के भाषण का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में साध्वी कहती हुई नजर आईं, बेटियों को अब्दुल्ला से खतरा है ही, साथ में सलमा से भी है। इस मामले में जयपुर पुलिस ने साध्वी सहित 3 लोग को आरोपी बनाया है। फिल्म के बाद साध्वी ने समुदाय विशेष पर टिप्पणी करते हुए सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने का भाषण दिया था। वायरल वीडियो 14 मई का बताया जा रहा है। उधर, हिंदू संगठन की नेता साध्वी प्राची ने उत्तराखंड में अवैध निर्माण पर एक्शन को लेकर धामी सरकार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह मजारों पर कार्रवाई के लिए वह धामी सरकार को मुबारकबाद देती हैं। वहीं, पौड़ी में भाजपा नेता यशपाल बेनाम की बेटी की दूसरे समुदाय में शादी को लेकर साध्वी ने कहा, हो सकता है कि यह भाजपा की अंदरूनी साजिश हो, लेकिन फिर भी वह भाजपा को एक ब्लिप जारी करती हैं जिसमें इस प्रकरण की जांच होनी चाहिए। बता दें कि पौड़ी के एक भाजपा नेता की बेटी की शादी से सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। नेता की बेटी की शादी मुस्लिम समुदाय के युवक से होने जा रही है, इस लेकर नेता के परिवार की ओर से कार्ड भी छपवा दिए गए और शादी समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

# ज्ञानवापी की शिवलिंगनुमा आकृति की नहीं होगी कार्बन डेटिंग-सुप्रीम कोर्ट

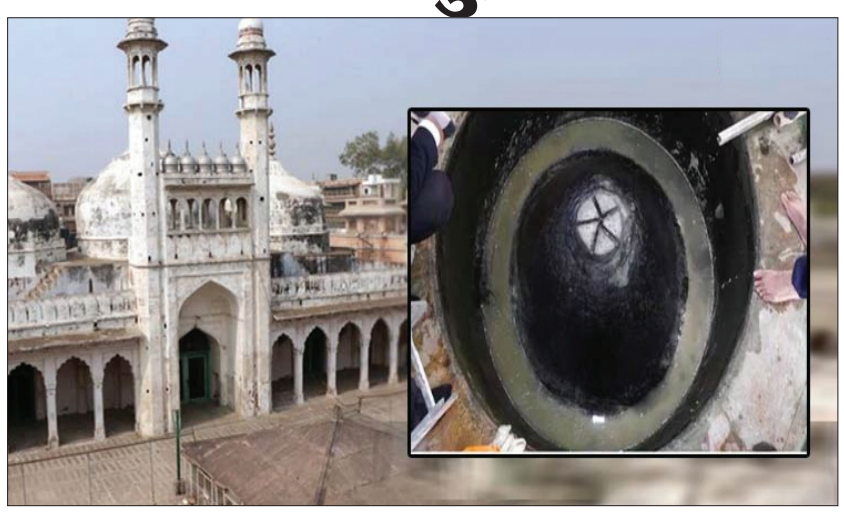

**वाराणसी (एजेंसी)।** धार्मिक राजधानी वाराणसी के श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर से जुड़े दो अहम मामलों पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। पहला मामला परिसर में मिले शिवलिंगनुमा आकृति की साइंटिफिक सर्वे और कॉर्बन डेटिंग को लेकर था जिस पर हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले पर और बारीकी से जांच करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होगी।

विदित हो कि, हाईकोर्ट के कॉर्बन डेटिंग कराए जाने के फैसले पर मुस्लिम पक्ष ने नाराजगी जताई थी। मुस्लिम पक्ष ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी थी जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में मिली शिवलिंग जैसी आकृति की उम्र का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग व वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। वहीं ज्ञानवापी से जुड़े सात मामलों की एक साथ सुनवाई किये जाने के मामले में अंजुमन इंतजामिया द्वारा आपत्ति दाखिल करने हेतु और समय मांगे जाने पर जिला जज की अदालत ने 22 जून की तारीख नियत कर दी।

वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े सात मामलों की सुनवाई एक साथ किए जाने के मुद्दे पर 12 मई को जिला जज की अदालत में सुनवाई हुई। इस मामले में वादी और प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में दलील पेश की। कोर्ट ने सुनवाई की तारीख 19 मई तय की थी। ज्ञानवापी से जुड़े श्रृंगार गौरी वाद की महिला वादिनियों लक्ष्मी देवी, रेखा पाठक, सीता साहू व मंजू व्यास ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर सात मामलों की सुनवाई एक साथ, एक ही अदालत में करने की मांग की थी। जिस अदालत ने 22 जून की तारीख नियत कर दी है।

## किरेन रिजिजू ने केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री के रूप में पदभार संभाला

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का पदभार संभाल लिया। शुक्रवार को मंत्रालय में पदभार ग्रहण करने के बाद रिजिजू ने कहा कि उन्हें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय बहुत ही उपयोगी मंत्रालय नजर आ रहा है जहां पर बहुत काम किया जा सकता है। रिजिजू ने पृथ्वी को बचपन से अपनी रुचि का विषय बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद भी कहा कि उन्होंने उन्हें अलग-अलग मंत्रालय में काम करने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया। रिजिजू ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनके सपने को साकार करने में इस मंत्रालय का बहुत बड़ा योगदान होगा। बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव कर रिजिजू को कानून मंत्री के पद से हटा दिया है। उनकी जगह पर अर्जुन राम मेघवाल को कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि न्यायपालिका से लगातार टकराव की मुद्रा में रहने के कारण रिजिजू से कानून मंत्रालय छीना गया है। चुनावी वर्ष में सरकार न्यायपालिका से टकराव नहीं चाहती।

# आंनद मोहन मामले में फंसी नीतिश सरकार, शीर्ष अदालत ने कहा...पूरा मूल रिकॉर्ड पेश करे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार सरकार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को दी गई छूट के संबंध में पूरा मूल रिकॉर्ड पेश करने को कहा। आनंद मोहन 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई अगस्त में तय की। कोर्ट ने मामले को आठ अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

शुरुआत में, कुमार ने याचिका का जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा। मारे गए अधिकारी की पत्नी उमा कृष्णय्या की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि राज्य सरकार ने नीति को पूर्वव्यापी प्रभाव से बदल कर उन्हें मामले में रिहा कर दिया है। लूथरा ने पीठ से अनुरोध किया कि वह राज्य को आनंद मोहन के सभी पिछले आपराधिक रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दे। साथ ही उन्होंने मामले की सुनवाई अगस्त में करने का भी अनुरोध किया। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार तथा आनंद मोहन के वकील उसके समक्ष पेश हुए है। पीठ ने कहा कि आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा।

गौरतलब है कि कृष्णैया तेलंगाना से थे और 1994 में भीड़ ने उन्हें तब पीट-पीट कर मार डाला था जब उनके वाहन ने मुजफ्फरपुर जिले में गैंगस्टर छोटन शुक्ला की शव यात्रा से आगे निकलने की कोशिश की थी। मोहन उस वक्त विधायक थे और शव यात्रा की अगुवाई कर रहे थे। गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी. कृष्णैया की करीब तीन दशक पहले हुई हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व सांसद आनंद मोहन को 27 अप्रैल को बिहार की सहरसा जेल से रिहा कर दिया गया। तेलंगाना से ताल्लुक रखने वाले कृष्णैया अनुसूचित जाति से थे।

## सिद्दारमैया के शपथ ग्रहण समारोह से ममता ने बनाई दूरी, कांग्रेस को झटका

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी शनिवार को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर सिद्दारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं जाएगी। ममता ही जगह तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य डॉ. काकोली घोष दस्तीदार इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। पार्टी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने यह जानकारी दी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बावजूद कांग्रेस से तृणमूल की बढ़ती दूरी का एक और संकेत है। संयोग से, कर्नाटक के नतीजे आने के बाद ममता ने लोगों को फैसले के लिए बधाई दी, लेकिन मीडियाकर्मियों द्वारा पूछने पर भी कांग्रेस और राहुल गांधी पर पूरी तरह से चुप रहीं।

उन्होंने कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को सशर्त समर्थन देने को तैयार हैं, बशर्ते कांग्रेस बंगाल में टीएमसी को भी ऐसा ही समर्थन दे। हालांकि, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के समझौते का सवाल ही नहीं उठता है।

सिद्दारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में ममता बनर्जी को न्यौते के बारे में कांग्रेस चौधरी ने कहा कि यह शिष्टाचार की बात है कि देश के सभी गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सभी गैर-भाजपा पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। चौधरी ने कहा, इसका मतलब यह नहीं है कि कांग्रेस चुनावी परिप्रेक्ष्य में तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता करने जा रही है।

## राहुल 28 मई को जाएंगे अमेरिका, कैलिफोर्निया में मोहब्बत की दुकान में होंगे शामिल

### -सभी कार्यक्रमों का आयोजन कर रही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की अमेरिकी शाखा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जून को अमेरिका की राजकीय यात्रा से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 28 मई को वहां जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान वह कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिसमें 30 मई को कैलोफोर्निया में मोहब्बत की दुकान नाम का एक कार्यक्रम भी शामिल है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि राहुल गांधी अब 31 मई की बजाय 28 मई को रवाना होंगे। वह सबसे पहले 30 मई को कैलिफोर्निया में मोहब्बत की दुकान कार्यक्रम में शामिल होंगे। कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की अपनी पांच महीने की 3 हजार 900 किलोमीटर लंबी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गांधी जनता से जुड़ने के लिए नफरत के बाजार में, मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं कहते रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक वह सैन फ्रांसिस्को में एक एनआरआई बैठक में भी हिस्सा लेंगे।

राहुल गांधी के सभी कार्यक्रमों का आयोजन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस की अमेरिकी शाखा कर रही है। पार्टी सूत्र ने बताया कि वह 4 जून को न्यूयॉर्क में एक एनआरआई बैठक को भी संबोधित करेंगे और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इस साल की शुरुआत में राहुल गांधी ने ब्रिटेन का दौरा किया और कई कार्यक्रमों में भाग लिया। पिछले सप्ताह एक बयान में व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन 22 जून को राजकीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी करेंगे।

## पाकिस्तान ने रची हमले की साजिश, शाह ने उतर दिए नेवी सिल के मार्कोस कमांडो

**जम्मू (एजेंसी)।** पाकिस्तान का अपना घर जल रहा है, लेकिन इसके बाद भी पाकिस्तान भारत विरोधी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इसका सबूत है जम्मू कश्मीर में होने वाली जी20 की बैठक में खलल डालने का प्लान पाक के इशारे पर चल रहा है। इसके लिए बाकायदा पूरी टूलकिट बनाई गई है, जिसमें भारत के खिलाफ जहर उगलने का पूरा फॉर्मूला बताया गया है। लेकिन इसके साथ ही पाकिस्तान की एक और बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। श्रीनगर में होने वाली जी-20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक में खलल डालने के लिए पाकिस्तान कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। जी20 के सम्मेलन के दौरान कश्मीर में बड़े आतंकी हमले के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 26 आतंकियों का एक दस्ता तैयार किया है। इसमें पाकिस्तानी सेना के स्पेशल स्ट्राइक ग्रुप (एसएसजी) के चार कमांडो भी शामिल हैं।

इन आतंकियों का नेतृत्व आईएसआई का एक कर्नल शायान कर रहा है। दरअसल, भारत में अगले हफ्ते कश्मीर के श्रीनगर में जी20 की बड़ी बैठक होनी है। भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों को कश्मीर में होता विकास दिखाएगा। कश्मीर के लोगों का अमन-चैन दिखाएगा। लेकिन ये बात पाकिस्तान के गले से नहीं उतर रही है। इससे पहले खबर आई थी कि पाकिस्तान ने अपने सभी उच्चायोग में भारत विरोधी टूलकिट बनाकर भेजी है। रिपोर्ट के अनुसार आईएसआई ने एसएसजी के चार कमांडो और 22 आतंकियों का एक विशेष दस्ता तैयार किया है। जिसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद से आगे एलओसी की तरफ एक जगह पर रखा गया है। ये दस्ता पुंछ, उड़ी और हंदवाड़ा में घुसपैठ कर जम्मू कश्मीर के भीतरी इलाकों में किसी हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है।

जी20 की बैठक जम्मू कश्मीर में हो रही है और इस लेकर मोदी सरकार किसी भी किस्म का रिस्क नहीं लेना चाहती है। इसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक नेवी सिल के मार्कोस कमांडो की तैनाती कश्मीर में कर दी गई है। भारतीय सेना के मार्कोस कमांडो ने श्रीनगर के डल झील में नाव पर बैठकर गश्त लगाया। जिसका वीडियो भी सामने आया है। मरीन कमांडो सुरक्षा को लेकर बेहद चुस्त दुरुस्त नजर आ रहे हैं। आतंकी मार्कोस स्पेशलाइज्ड कमांडोज का नाम सुनते हैं, तब उनके चेहरे पर मौत का खौफ साफ दिखता है।

## वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से देश के कई राज्यों में होगी बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** उत्तर भारत में इनदिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग ने भी मॉनसून के लिए पूर्वानुमान जारी कर दिया है। अगले महीने की शुरुआत में मॉनसून की देश में दस्तक होगी। लेकिन उससे पहले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से कई राज्यों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले छह दिनों तक उत्तर पूर्वी राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश होने वाली है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक हफ्ते तक उत्तर पूर्वी राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। इस दौरान 19-24 मई के दौरान असम, मेघालय में भारी बारिश होगी। इसके अलावा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आज भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत की बात करें तब उत्तर प्रदेश, राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने का अनुमान है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से 23 मई की रात से उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है। वहीं, मध्य भारत के मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 22 मई को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत की बात करें तब एक हफ्ते तक हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, 20 से 23 मई के बीच दक्षिणी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा बिहार, झारखंड, ओडिशा, कोंकण, गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल, तमिलनाडु में भी तापमान काफी अधिक रहने वाला है, जिसकी वजह से भीषण गर्मी लग सकती है।

## केजरीवाल को लेकर कांग्रेस के अंदर कभी हा कभी ना की स्थिति

### -कई राज्यों में आप के कारण हुआ सीधा नुकसान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री के मुद्दे को भी सुलझा लिया है। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले मिली बड़ी जीत से उत्साहित कांग्रेस ने शपथ ग्रहण समारोह को विपक्षी एकता के रूप में भी प्रस्तुत करने जा रही है। इसके लिए विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं और दलों को न्यौता भेजा गया है। हालांकि, नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद विपक्ष का साथ देने की बात कह चुके आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुलावा नहीं भेजा गया है। इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक विश्लेषक इसके मायने और वजह तलाशने में जुट गए हैं।

कांग्रेस ने एमके स्टालिन (तमिलनाडु), ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल), नीतीश कुमार (बिहार), नवीन पटनायक(ओडिशा), अशोक गहलोत (राजस्थान), सुखविंदर सिंह सुक्खू (हिमाचल प्रदेश), भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़), और हेमंत सोरेन (झारखंड) को निमंत्रण दिया गया है। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख और सीएम अखिलेश यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और नेशनल कांफ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला को आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह 20 मई को दोपहर 12.30 बजे कांटीरवा स्टेडियम में होना है।

वहीं केजरीवाल के अलावा तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती को भी कांग्रेस ने आमंत्रित नहीं किया है। के चंद्रशेखर राव जहां गैर-भाजपा, गैर कांग्रेसी मोर्चे बनाना चाहते हैं, तब बसपा प्रमुख मायावती पर कांग्रेस भाजपा की मदद का आरोप लगाती रही है। वहीं, कांग्रेस पार्टी सूत्रों के मुताबिक आप को लेकर अभी कुछ आशंकाएं हैं। पिछले दिनों सीएम केजरीवाल ने नीतीश से मुलाकात के बाद कहा था कि मौजूदा मोदी सरकार को हटाने के लिए विपक्षी एकजुटता की जरूरत है और वह साथ हैं। इसके पहले आप कहती रही है कि अगले लोकसभा चुनाव में मोदी और केजरीवाल के बीच ही मुकाबला होगा।

पिछले कुछ मौकों पर कांग्रेस ने भी केजरीवाल से नजदीकी बढ़ाने के कुछ संकेत दिए। लेकिन पार्टी इस मुद्दे पर एकमत नहीं है। शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी और फिर अरविंद केजरीवाल से सीबीआई की पूछताछ के दौरान जहां कुछ नेताओं ने आप के बचाव में बयान दिया, तब कुछ नेताओं ने इसकी खिलाफत की। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है दिल्ली के अलावा कई और राज्यों की ईकाई आप से दोस्ती के पक्ष में नहीं है। दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा समेत कई राज्यों में कांग्रेस को आप से मुकाबला करना पड़ रहा है। इसके बाद यदि राष्ट्रीय स्तर पर दोस्ती होती है, तब वोटर्स के बीच गलत संदेश जाने की आशंका है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# समस्या आपकी हमें भेजे

# अपने क्षेत्र में समस्याएं

## हमें लिखे या बताएँ

## और समस्याएं का हल

## संबंधित विभाग से मिलेगा

## मोबाईल:-9879141480

## या फोटा,वीडियो हमें भेजे

**कार्यालय ऑफिस**

**क्रांति समय दैनिक समाचार**

**में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार**

**संबंधित संपर्क करें**

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

**कार्यालय ऑफिस**

**क्रांति समय दैनिक समाचार**

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com